



गहलोत, आशा लगाए बैठे थे कि वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा आदि उनका पुनर्वास कराएंगे पार्टी में

पर उल्टा ही हुआ, प्रियंका गांधी ने वेणुगोपाल, बघेल, रंधावा की टीम पर ही प्रहार करके तोड़ दिया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। क्या पंजाब कांग्रेस को नया पीसीसी अध्यक्ष मिलने जा रहा है? क्या सचिन पायलट को पंजाब की जिम्मेदारी इसलिए दी गई है, ताकि राजा वडिंग के जाने के बाद बदलाव की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके और कांग्रेस के आपस में लड़ रहे सभी गुटों को एक साथ लाया जा सके?

क्या भूपेश बघेल को पंजाब से इसलिए हटाया गया, क्योंकि उन्होंने कई बार राजा वडिंग की तारीफ और उनका समर्थन किया था, जिससे उनके लिए पीसीसी अध्यक्ष को पद से हटाना मुश्किल हो रहा था?

और अब, जब सचिन पायलट पंजाब के इंचार्ज हैं तो रंधावा का क्या होगा?

रंधावा, डोटासरा के साथ मिलकर काम कर रहे थे और दोनों सचिन पायलट तथा उनके समर्थकों को किनारे करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे थे।

- दूसरी ओर राहुल गांधी की पंजाब की प्रस्तावित यात्रा ने भी क्षुब्ध नेताओं को चुप रहने के लिए मजबूर कर दिया है।
- यह भी चर्चा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी चन्नी-रंधावा की बगावत को शह दे रहे हैं।
- पर, ये सभी चर्चाएँ व्यर्थ हो गईं, क्योंकि पंजाब में कांग्रेस के सभी खेमों को अब राहुल गांधी की यात्रा की तैयारी में जुटना पड़ रहा है।
- पर, यह भी चर्चा है कि पायलट, कैप्टन अमरिंदर सिंह को बातचीत करके कांग्रेस में शामिल करा लें।

अब हालात पूरी तरह बदलते दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि पंजाब में पायलट अब रंधावा के बांस हैं। राहुल गांधी को समझाया गया है कि वे अपनी प्रतिष्ठा और औपचारिकताओं पर अड़े न रहें, क्योंकि राजा वडिंग को बचाने से ज्यादा जरूरी पंजाब को जीतना है। सूत्रों का कहना है कि इसी वजह

से भूपेश बघेल को पंजाब से हटाया गया है, क्योंकि नेतृत्व में बदलाव के लिए नए इंचार्ज की जरूरत थी। उद्देश्य अलग-अलग गुटों को एक साथ लाना और पंजाब में सत्ता हासिल करने के लिए मजबूत दावेदारी पेश करना है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह चन्नी और

रंधावा को निर्देश दे रहे हैं और कांग्रेस में मुश्किलें पैदा कर रहे हैं। लेकिन अगर समस्या की जड़ पर काम किया जाए और उनके विरोध के असली स्रोत को ही हटा दिया जाए, तो उनके पास शिकायत करने के लिए शायद बहुत कुछ नहीं बचेगा। राहुल गांधी की पंजाब यात्रा के लिए सभी समूहों और गुटों को एक साथ आना होगा, क्योंकि राहुल गांधी की पंजाब यात्रा की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं, हालांकि अभी तारीखें तय नहीं हुई हैं। कांग्रेस का मुख्य हमला पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर है और प्रताप सिंह बाजवा मान सरकार के खिलाफ जोरदार हमले कर रहे हैं। इसके अलावा, अगर सचिन पायलट अपने नेतृत्व में कैप्टन अमरिंदर सिंह को कांग्रेस में वापस लाने में सफल होते हैं, तो यह उनकी एक और बड़ी कामयाबी होगी। सचिन पायलट के पंजाब की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भागवत 11 से 14 राजस्थान में

जयपुर, 8 सितम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 11 से 14 सितंबर तक राजस्थान के प्रवास पर रहेंगे। चार दिवसीय प्रवास के दौरान, वे जोधपुर, नागौर और भीलवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। संघ की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञापन में यह जानकारी दी गई।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, डॉ. भागवत 11 सितंबर को जोधपुर पहुंचेंगे तथा अगले दिन 12 सितंबर को

- वे जोधपुर, नागौर और भीलवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

नागौर जिले के गोटन स्थित एलके सिंघानिया शिक्षा केन्द्र के वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल होंगे। 13 सितंबर को डॉ. भागवत जोधपुर में संघ कार्यक्रमताओं की बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद, 14 सितंबर को वे भीलवाड़ा जाएंगे, जहां वे जैन दिग्गज संत पूंछ पुलक सारार जी महाराज से भेंट और वार्ता करेंगे। कार्यक्रम के बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

“नाराज़ फूफा जी” तो हमेशा काम में कमी ही निकालेंगे

प्र.मंत्री ने हालांकि, सबसे पहले, आलोचकों के लिये यह सम्बोधन श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में उपयोग में लिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। गुजरात के वडोदरा में एक कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 35 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया और अपने आलोचकों पर “नाराज फूफा जी” कहकर तंज किया। उन्होंने समर्पित माल ढुलाई गलियारे का उदाहरण देते हुए अपनी सरकार के कामकाज की तुलना यूपीए सरकार से की और मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया।

विपक्ष पर अपना हमला तेज करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उन लोगों के लिए अपने नए

- पर, अब धीरे-धीरे परिष्कृत करते हुए, इस “अलंकार” का उपयोग, अब काफी जोर शोर से कर रहे हैं, प्र.मंत्री मोदी।

संबोधन, “नाराज फूफाजी” को दोहराया, जो उनकी सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के वडोदरा में “नमो फॉर विकसित भारत” कार्यक्रम में ये बातें कहीं। यहां उन्होंने 35 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और कई परियोजनाओं की आधारशिला रखीं। इनमें 2,800 किलोमीटर लंबा समर्पित रेल माल ढुलाई गलियारा भी शामिल है, जिसे उन्होंने “21वीं सदी

की ऐतिहासिक उपलब्धि” बताया। इस गलियारे के उदाहरण से भाजपा और कांग्रेस सरकारों की “काम करने की संस्कृति” की तुलना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस परियोजना की कल्पना पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय की गई थी, लेकिन यूपीए सरकार, जिसका नेतृत्व मनमोहन सिंह कर रहे थे, के दौरान इसमें बहुत कम प्रगति हुई। उन्होंने कहा, माल ढुलाई गलियारे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज जयपुर में रोड शो करेंगे

जयपुर, 8 सितम्बर। नगर निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जयपुर में रोड शो करेंगे। भाजपा ने इसे चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में शक्ति प्रदर्शन के तौर पर तैयार किया है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में होने वाले रोड शो में भाजपा के पार्षद प्रत्याशियों के

- सांगानेरी गेट से शुरु होकर चाँदपोल हुनमान मंदिर तक जाएगा रोड शो।

साथ पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे। भाजपा के अनुसार, मुख्यमंत्री का रोड शो 9 सितंबर, बुधवार को सुबह 10 बजे सांगानेरी गेट से शुरू होगा। यहां से मुख्यमंत्री का काफिला बड़ी चौपड़ और छोटी चौपड़ होते हुए चांदपोल स्थित हनुमान मंदिर तक पहुंचेगा। पार्टी संगठन ने सभी पार्षद प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को सुबह सांगानेरी गेट पहुंचकर मुख्यमंत्री का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। छह महीने के लंबे और थका देने वाले संघर्ष के बाद अब ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका काफी बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने खुद युद्ध में मिलने वाले फायदों के बारे में अपनी इस मजबूत या आरामदायक स्थिति का जिक्र किया है। सीएनएन ने उनके एक्स हैडल पर की गई टिप्पणियों के हवाले से यह बात कही है। एक तरफ अमेरिका ने ईरान के सभी सामानों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य और दूसरे बंदरगाहों से आने-जाने पर कड़ी रोक लगाकर ईरान पर गंभीर आर्थिक हमला किया है। इससे

देश के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है और उसकी अर्थव्यवस्था ढहने की स्थिति में पहुंच सकती है। दूसरी तरफ ईरान की जवाबी कार्रवाई की क्षमता भी लगातार कम हो रही है। ईरान के हमले के हमले उतने तेज और शक्तिशाली नहीं रहे हैं, जितने पहले हुआ करते थे। इसके बजाय, ईरान अब अमेरिका के लिए मुश्किलें पैदा करने वाले हमले करने के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर है। खास बात यह है कि सोमवार को यमन में ईरान के सहयोगी गुट, हूतियों ने सऊदी अरब पर हमले किए। इन हमलों में आम नागरिकों की भी नुकसान हुआ और सऊदी अरब की तेल सुविधाओं को भी क्षित पहुंची। हताश

- सोमवार को हूथी योद्धाओं ने सऊदी अरब पर आक्रमण किया, काफी नागरिकों की हानि हुई तथा सऊदी के ऑयल प्रतिष्ठानों को भी हानि पहुंचाई गई।
- पर, अभी ईरान के कट्टरपंथी अमेरिका के साथ किसी भी तरह का समझौता होने की संभावना को आगे नहीं बढ़ने दे रहे।

होकर ईरान अब अमेरिकी सैनिकों के खिलाफ जवाबी हमले करने के लिए क्षेत्र के दूसरे देशों को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है। यह युद्ध का एक नया चरण है, जिसमें ईरान अपनी लगातार कमजोर होती स्थिति के बावजूद युद्ध की स्थिति पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए

महेश्वरी स्कूल के छात्र गुटों में खूनी झड़प

जयपुर, 8 सितम्बर। राजधानी के प्रतिष्ठित महेश्वरी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को उस वक़्त अफरा-तफरी मच गई, जब कक्षा 10 के छात्रों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी झड़प में बदल गया। स्कूल परिसर के पास हुए इस हमले में करीब 10 से 12 छात्रों के गुट ने एक अकेले छात्र को घेरकर बुरी तरह

- दस-बारह छात्रों ने एक छात्र को घेर कर बुरी तरह पीटा व सिर पर काँच की बोतल मारी।

पीट दिया। मारपीट के दौरान एक छात्र ने पीड़ित के सिर पर पानी की भारी कांच की बोतल से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद हारकत में आए स्कूल प्रशासन ने लहलुहान छात्र को तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। डॉक्टरों ने छात्र के सिर पर आए गहरे घाव को देखते हुए करीब छह टांके लगाए हैं। चिकित्सकों के अनुसार, छात्र के चेहरे और सिर पर काफी चोट आई है, हालांकि वह होश में है और उसकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। इस मामले की सूचना मिलते ही जवाहर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस स्कूल गेट के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से मारपीट में शामिल छात्रों की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल विवाद की असली वजह साफ नहीं हो सकी है। स्कूल (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सत्य निकेतन की बगल वाली बिल्डिंग को गिराने की योजना बनी

पर, इस योजना के क्रियान्वयन के लिए जब आस-पास की बिल्डिंग्स का सर्वे हुआ तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में जिस पीजी आवास की इमारत के गिरने से सात लोगों की मौत हुई थी, उसके बगल वाली इमारत को बुधवार को गिराया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि नगर निगम के अधिकारियों ने इस इमारत को असुरक्षित पाया है।

गुप्ता ने इमारत गिरने की घटना में घायल हुए लोगों के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की और कहा कि दिल्ली सरकार उनके इलाज का पूरा खर्च उठाएगी। उन्होंने एम्स ट्रॉमा सेंटर में घायलों से मुलाकात की और उनके परिवारों को चेक दिए। इस बीच, सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना के बाद उन शोषों पर भी ध्यान गया है, जिनमें चेतावनी दी गई है कि 6.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में, बड़ी संख्या में राजधानी की इमारतें असुरक्षित मानी जा सकती हैं। चिंता केवल एक इमारत से कहीं

- दिल्ली में 38 प्रतिशत बिल्डिंग्स मध्यम श्रेणी का भूकंप भी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं हैं।
- दूसरे शब्दों में दिल्ली में 33 लाख बिल्डिंग , मध्यम श्रेणी के भूकंप का झटका बर्दाश्त नहीं कर सकतीं, ध्वस्त होने की प्रबल संभावना है।
- जैसा कि विदित ही है, दिल्ली सैस्मिक ज़ोन-4 में आता है, जो देश में भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील, दूसरे नंबर पर है।

ज्यादा बड़ी है।

हाल के एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि दिल्ली-एनसीआर की लगभग 89 लाख इमारतों में से करीब 38 प्रतिशत इमारतें इस क्षेत्र की प्रमुख सक्रिय फॉल्ट लाइन्स के पास 5.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं। इसका मतलब है कि 33 लाख से अधिक इमारतें संभावित रूप से खतरे में हो सकती हैं। इससे पता चलता है कि दिल्ली में भूकंप का खतरा कितना बड़ा है।

दिल्ली सैस्मिक ज़ोन 4 में आता है, जो भारत में भूकंप के खतरे के लिहाज से दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी है। राजधानी न केवल स्थानीय भ्रंश रेखाओं (फॉल्ट लाइन्स) से आने वाले भूकंपों के प्रति संवेदनशील है, बल्कि हिमालयी क्षेत्र में आने वाले शक्तिशाली भूकंप भी दिल्ली को प्रभावित कर सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि दिल्ली की जटिल भू-संरचना (जियोलाजी), एक्टिव फॉल्ट्स के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आधुनिकतम लड़ाकू विमान एसयू-57 की खरीद की बारीकियाँ फाइनल होंगी

पुतिन यह विमान बेचने को तत्पर हैं और भारत यह विमान पाने को आतुर

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 सितम्बर। 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी तय बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत को एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बेचने का प्रस्ताव रख सकते हैं। मॉस्को, भारतीय वायुसेना के लिए इस स्ट्रेट्स लड़ाकू विमान को अंतरिम समाधान के तौर पर पेश कर रहा है।

भारतीय वायुसेना को लड़ाकू विमानों के स्वचाइज़ों की कमी का सामना करना पड़ रहा है और वह स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) का इंतजार कर रही है, जिसके 2035 के बाद ही आने की उम्मीद है। इस प्रस्ताव में तकनीक का हस्तांतरण, संयुक्त उत्पादन, एसयू-57ई संस्करण का भारत में स्थानीय स्तर पर निर्माण और, यहां तक कि, सोर्स कोड तक पहुंच देने की पेशकश शामिल है। ये रियायतें बौद्धिक संपदा और आत्मनिर्भरता को लेकर भारत की पुरानी चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से दी जा रही है। हालांकि भारतीय अधिकांशियां ने हाल में नए सुखोई विमानों की खरीद के बजाय, एसयू-30एमकेआई के आधुनिकीकरण और स्वदेशी कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने

- हालांकि, अभी भारत-रूस व्यापार, रूस के भारी पक्ष में है तथा भारत की देनदारी 50 बिलियन डॉलर से अधिक है और भारत पर दबाव है, फार्मास्पिटिकल्स, कैमिकल्स व कृषि उत्पाद का रूस को निर्यात बढ़ाकर यह ट्रेंड डैफिसिट घटाये।

के संकेत दिए हैं, लेकिन उम्मीद है कि पुतिन बातचीत के दौरान इस मामले पर जोर देंगे और पहले की गई सार्वजनिक पेशकशों को आगे बढ़ाएंगे। यह तय मुलाकात बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत और ओर रूस के बीच लंबे समय से चली आ रही “विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी” को रेखांकित करती है। बातचीत के एजेंडे में रक्षा सहयोग और दोनों देशों के बीच आर्थिक असंतुलन को कम करने के उपाय प्रमुख

रह सकते हैं। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार बढ़कर करीब 60-69 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। इसका मुख्य कारण भारत द्वारा रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल, उर्वरक और कोयला खरीदना है।

हालांकि, इससे भारत का व्यापार घाटा 50 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। दोनों देश 2030 तक 100 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं। बातचीत में दवाइयों, रसायनों और कृषि उत्पादों जैसे भारतीय निर्यात के लिए बाजार तक अधिक पहुंच, टैरिफ और गैर- टैरिफ बाधाओं को हटाना, रुपये-रुबल में भुगतान व्यवस्था को बेहतर बनाना, और यूरोशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में प्रगति (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री की मुंबई यात्रा से पहले दो गिरफ्तार

मुंबई, 08 सितंबर। महाराष्ट्र के बांद्रा में स्थित बांद्रा कुर्ली कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) इलाके में स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मुंबई दौरे से पहले पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार

- पुलिस को एक के पास पिस्तौल तथा दूसरे के पास सीएमओ का बोगस परिचय पत्र मिला।

किया है। इनमें से एक के पास पिस्तौल और एक के पास पीएमओ का बोगस परिचय पत्र मिला है। मुंबई क्राइम ब्रांच पुलिस इन दोनों से गहन पूछताछ कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस मामले में पकड़े गए एक युवक की पहचान रोहन पारेख (24) के रूप में की गई है। बीकेसी में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपनी नम्रता का गर्व करने से अधिक निंदनीय और कुछ नहीं है। —मारकस

सैटेलाइट के सफल लॉन्च से इसरो की साख बची

पाँच साल के लंबे इंतजार के बाद, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) ने गत शुक्रवार को एक जियो-इमेजिंग सैटेलाइट स्पेस में स्थापित करने में सफल रहा है।
इओएस-०5 सैटेलाइट स्पेसपोर्ट श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने के लगभग 18 मिनट बाद, तय सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में सफलतापूर्वक स्थापित हो गया। इसरो के लिए यह सिर्फ एक और लॉन्च नहीं था। उसके लगातार दो स्ट्रेटेंजिक मिशन फेल हो चुके थे, जिससे देश को कई सौ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इसीलिए इसरो के लिये यह लॉन्च खास था और ऐसे मुश्किल समय पर हो रहा था जब उसके भविष्य को लेकर अनेक शंकाएं भी मीडिया में व्यक्त हो रही थी कि इसके रॉकेट (एक को छोड़कर) घरेलू कंपनियों को दिए जा रहे हैं, सरकार सैटेलाइट मैनुफैक्चरिंग और तमिलनाडु में प्रस्तावित स्पेसपोर्ट को भी प्राइवेट सेक्टर के लिए खोल रही है; लॉन्च इम्फ्रास्ट्रक्चर का निजीकरण किया जा रहा है; नेवल सी नेविगेशन सिस्टम अघर में लटका हुआ है; और सरकार चाहती है कि इसरो रिसर्च, डेवलपमेंट और बड़े साइंटिफिक मिशन पर ध्यान दे। यह भी सच है कि संस्थान के कर्मचारियों में भी अनिश्चिता का माहौल बलया जाता रहा है।
ज़रूरी मिशन में शामिल कई लोग अपने पद छोड़ कर जा चुके हैं और बाकी स्टाफ भी अपनी भविष्य की भूमिकाओं के बारे में स्पष्ट नहीं है। इस प्रष्ठभूमि में, शुक्रवार का जीआईसेट-1 ए सैटेलाइट, जिसका नाम बदलकर अर्थ ऑब्ज़र्वेशन सैटेलाइट-०5 (ईओएस-०5) कर दिया गया, को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल-एमके (जीएसएलवी-एमके) से लॉन्च करने का यह मिशन, कहीं ज़्यादा अहमियत रखता था।
इओएस-०5, जीआईसेट-1 का लंबे समय से रुका हुआ रिप्लेसमेंट है, जो अगस्त 2०21 में अपने लॉन्च के बीच में ही छो गया था। उसके बाद से इसरो इतने बार पर चुन रहा है कि पांच साल का गैप किस वजह से हुआ -- चाहे वह पेलोड डेवलपमेंट हो, सैटेलाइट मैनुफैक्चरिंग हो, जीआईसेट-1 और जीआईसेट-1ए के बीच स्पेसिफिकेशन्स में बदलाव हो, रॉकेट का न होना हो या कुछ और। इसरो ने ईओएस-०5 को एक एजाइल जियो इमेजिंग सैटेलाइट बताया है जिसे जियोस्टेशनरी ऑर्बिट से लगातार अंतराल पर बड़े एरिया को लगभग रियल-टाइम इमेज देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह मुख्य रूप से साफ आसमान (क्लाउड-फ्री) परिस्थिति में प्राकृतिक संपदा और आपदा की घटनाओं की इमेजिंग के लिए बनाया गया है। इसका फायदा इसकी लोकेशन में है। लोअर ऑर्बिट में परंपरागत अर्थ-ऑब्ज़र्वेशन सैटेलाइट के उलट, एक जियोस्टेशनरी इमेजिंग सैटेलाइट बार-बार एक बड़े एरिया पर निगाह रख सकता है, जिससे वह उस क्षेत्र में तेजी से बदलती घटनाओं की निगरानी करने और किसी खास एरिया को लगातार इमेज देने के लिए उपयोगी हो जाता है। वैसे, कैमर से लैस किसी भी सैटेलाइट का इस्तेमाल कई अन्य मकसदों के लिए भी किया जा सकता है और इसलिए सभी को, एक तरह से, ‘स्ट्रेटेंजिक सैटेलाइट’ कहा जा सकता है।

शुक्रवार का लॉन्च एक बड़ा पेलोड लेकर गया था और साथ में पिछली असफलताओं का बड़ा बोझ भी। इसलिए, ईओएस-०5 एक ढेर से आने वाले रिप्लेसमेंट सैटेलाइट से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। लगभग 2,3६7 किलो वजन वाला, यह सैटेलाइट जीएसएलवी-एमके की बाराई गई पेलोड कैपेसिटी 2,250 किलो से ज़्यादा भारी है। इसके वजन के कारण इस मिशन ने सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट का इस्तेमाल किया जो एक इंटरमीडिएट एप्लिटिकल ऑर्बिट है, जिसमें एपोजी लगभग 35,780 किलोमीटर की लक्षित जियोसिंक्रोनस ऊंचाई से कम होती है। इस ऑर्बिट से, ईओएस-०5 ने अपनी तय जियोस्टेशनरी पोजिशन तक पहुंचने के लिए अपने ऑनबोर्ड मोटर्स का इस्तेमाल किया। टेक्निकली, यह मौजूदा लॉन्च व्हीकल की कैपेसिटी को बढ़ाने की इसरो की काबिलियत का एक और प्रदर्शन था। इसके स्ट्रेटेंजिकली, दांव ज़्यादा ऊंचे हैं, क्योंकि ईओएस-०5 के इस सफल लॉन्च ने कई महंगी नाकामियों के बाद भरोसा वापस लाने की प्रक्रिया शुरू की है। अगर यह फेल हो जाता, तो भारत के लॉन्च सिस्टम और स्ट्रेटेंजिक स्पेस प्रोग्राम के भरोसे पर अनेक सवाल उठने लगते। वह लॉन्च, यह लॉन्च जीएसएलवी-एमके, पांच साल से ढेरी से आई स्ट्रेटेंजिक क्षमता और शायद सबसे ज़रूरी, इसरो की भरोसा वापस लाने की क्षमता का टेस्ट थी था। चिंता सिर्फ पैर के नुकसान को नहीं थी। यह भरोसे, ट्रांसपैरेंसी और भारत की अपने स्पेस एगेंट्स पर तब निर्भर रहने की क्षमता के बारे में थी जो सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। कह सकते हैं कि इसरो

अधिकृत तौर पर बताया गया कि तीसरे स्ट्रेज के परफॉर्मंस के आखिर में रॉकेट में गड़बड़ी आ गई, जिससे उसकी तय उड़ान अपने रास्ते से भटक गयी। पीएसएलवी मिशन से वाकिफ एक्सपर्ट का कहना है कि यह फेलियर पीसएलवी-सी61 जैसा ही लग रहा था। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ज़रूरी मिशनों में एक के बाद एक फेलियर होना बहुत ज़्यादा इतेफाक रहा। इन्हीं परिस्थितियों में शुक्रवार का मिशन इसरो की साख को जबरदस्त चुनौती थी। मिशन की सफलता से वह साख बच गई।

हालाँकि इसरो के अधिकारियों ने बताया था कि पीएसएलवी से जुड़े सुधार के उपायों पर चर्चा अब पूरी तरह से “जानने को ज़रूरत” के आधार पर की जा रही है। इसलिए शुक्रवार के लॉन्च को लेकर चिंता की वजह स्ट्रेटेंजिक रूप से ज़रूरी भारतीय स्पेस मिशन से जुड़ी कई नाकामियों की वजह से ही थी। इसके अलावा कई नेविगेशन सैटेलाइट पहले ही इम्पोंर्टेंट एपॉलिक घड्डियों में खराबी की वजह से पूरी क्षमता खो चुके हैं। कई लोग स्पेस सेक्टर में इस मुश्किल दौर की शुरुआत जीआईसेट-1 से मानते हैं। वह 2,268किलो का सैटेलाइट जीएसएलवी एमके के क्रायोजेनिक अपर स्ट्रेज में खराबी आने के बाद अंतरिक्ष में खो गया था। इसरो की फेलियर एपॉलिसिस प्रकृति ने नतीजा निकाला था कि वेंट और रिलीफ वाल्व से लीकेज की वजह से क्रायोजेनिक स्ट्रेज के इग्निशन के दौरान लिक्विड हाइड्रोजन टैंक का प्रेशर असामान्य रूप से कम हो गया था। इसके चलते फ्यूल बूस्टर ज्वॉ पं में खराबी आई, जिससे आखिरकार मिशन फेल हो गया। इसके बाद इसरो ने दिखाया कि जीएसएलवी एमके रिकवर कर सकता है, और उसने एनवीएस-०1, इन्सेट-3डीएस और इंडो-यूएस निसार सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसलिए, जानकार लोगों का कहना है कि भारत के स्पेस प्रोग्राम को सिर्फ नाकामियों वाला प्रोग्राम बताया गलत होगा। इसरो को अगला बड़ा झटका एनवीस-०2के साथ लगा, जिसे 29 जनवरी, 2०25 को श्रीहरिकोटा से 1०0वें रॉकेट लॉन्च के तौर पर लॉन्च किया गया था। 3०0 करोड़ रुपये के नेविगेशन सैटेलाइट को एक और 300 करोड़ रुपये के जीएसएलवी एमके से जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में सफलतापूर्वक इंजेक्ट किया गया। लेकिन वह अपने तय जियोस्टेशनरी ऑर्बिट तक नहीं पहुंच सका क्योंकि ऑर्बिट बढ़ाने के लिए ज़रूरी ऑक्सीडाइज़र वाल्व नहीं खुल पाए। इसरो ने समस्या तो मानी लेकिन यह कभी नहीं बताया कि वाल्व क्यों फेल हुए। सैटेलाइट एक्सपर्ट्स का मानना है कि समस्या ऑक्सीडाइज़र वाल्व को पावर सप्लाई करने वाले इलेक्ट्रिकल कनेक्टर में शुरू हुई होगी। इससे एक और बुनियादी सवाल उठता है कि मिशन-क्रिटिकल सिस्टम में रिडंडेंसी होनी चाहिए उस पर ध्यान क्यों नहीं गया? सैटेलाइट सिस्टम से परिचित अधिकारियों के अनुसार वाल्व, इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर सिस्टम, सभी में रिडंडेंट बैकअप थे। लेकिन रिडंडेंसी तभी काम करती है जब बैकअप सिस्टम सच में प्राइमरी सिस्टम से अलग हो। अगर दोनों सिस्टम एक कॉमन पॉइंट पर मिलते हैं, तो एक फेलियर दोनों को खत्म कर सकता है। यदि इन नियमों को माना गया, तो ऑक्सीडाइज़र वाल्व तक पावर पहुंचने से किस चीज ने रोका? इसरो के ही एक रिटायर्ड सीनियर अधिकारी का कहना है कि प्राइमरी और रिडंडेंट दोनों पावर सप्लाई एक ही कनेक्टर से गुज़री होगी, जिससे पूरी रिडंडेंसी का मकसद नाकाम हो गया।

दो पीएसएलवी मिशन के लगातार फेल होने से चिंता का बड़ जवाब स्वाभाविक ही था। पिछले साल 18 मई, 2०२5 को, पीएसएलवी-सी61 उड़ान भरने के करीब छह मिनट बाद फेल हो गया, जिससे ईओएस-०9 (आरआईसेट-1बी) सर्विलांस सैटेलाइट और लॉन्च व्हीकल का नुकसान हुआ। कुल नुकसान का अनुमान करीब 850 करोड़ रुपये था। इओएस-०9 में एक सिंथेटिक अपचर्च रडार था जो हर मौसम में निगरानी कर सकता था और इसका मकसद भारत की स्ट्रेटेंजिक ऑब्ज़र्वेशन क्षमता को मज़बूत करना था। अंदाज लगाया जाता है कि पीसेलवी-सी61 का फेलियर शायद किसी खराब वाल्व या इलेक्ट्रिकल कनेक्टर की वजह से हुआ होगा, जिसकी वजह से तीसरे स्ट्रेज के ऑपरेशन के दौरान प्रेशर कम हो गया था। इसके आठ महीने से भी कम समय बाद, 12 जनवरी, 2०26 को, पीसेलवी-सी62 भी फेल हो गया। यह डीआरडी ओ के लेटेस्ट हाइपरस्पेक्ट्रल टोही सैटेलाइट, अन्वेषा (इंओएस-यून-1) के साथ पंद्रह छोटे भारतीय और विदेशी सैटेलाइट ले जा रहा था। अधिकृत तौर पर बताया गया कि तीसरे स्ट्रेज के परफॉर्मंस के आखिर में रॉकेट में गड़बड़ी आ गई, जिससे उसकी तय उड़ान अपने रास्ते से भटक गयी। पीएसएलवी मिशन से वाकिफ एक्सपर्ट का कहना है कि यह फेलियर पीसएलवी-सी61 जैसा ही लग रहा था। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ज़रूरी मिशनों में एक के बाद एक फेलियर होना बहुत ज़्यादा इतेफाक रहा। इन्हीं परिस्थितियों में शुक्रवार का मिशन इसरो की साख को जबरदस्त चुनौती थी। मिशन की सफलता से वह साख बच गई।

—अतिथि संपादक, राजेन्द्र बोड़ा (वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राशिफल

बुधवार 9 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2०83, आश्लेषा नक्षत्र दिन 3:14 तक, शिव योग रात्रि 9:52 तक, तैत्तिल करण दिन 12:31 तक, चन्द्रमा आज दिन 3:14 से सिंह राशि में संचारित करेंगें।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह।
आज भद्रा दिन 12:31 रात्रि 11:32 तक रहेगी। आज अघोरा चजुरदशी व्रत, मास शिवरात्रि, जैन पयुषण आरम्भ (पंचमी पक्ष)
श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 1०:51 से 12:24 तक, चर 3:3० से 5:०3 तक, लाभ 5:०3 से सूर्यास्त तक।
राहुकाल: 12:00 से 1:3० तक, सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35

मेघ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।



प्रो.कैलाश सोडाणी

देश के सार्वजनिक जीवन में बिना किसी जमीनी संघर्ष के मात्र सोशल मीडिया के माध्यम से अवतरित कॉंक्रोच जनता पार्टी आजकल चर्चा में है। चर्चा में व्यंग्य ज़्यादा है, शालीनता कम है। संस्था के नामकरण में भी गंभीरता एवं दीर्घकालीन सोच का अभाव है, हास्य एवं विनोद का स्वर ही ज़्यादा सुनाई देता है। नीट परीक्षा को असफलता एवं बेरोजगारी से पीड़ित युवा साथियों की भावनाओं से खेलेते हुए अधिजीत रिपके ने जन्तर्-संतर पर जो अभिनय किया, उससे प्रथम दृष्टया तो यही लगा कि देश की युवा पीढ़ी को एक ईमानदार



डॉ. मोनिका शर्मा

रील्स और शॉर्ट्स को बिना सोचे-समझे स्क़ॉल करने की यह आदत धीरे-धीरे ईंसानों को एक ग़हरे साइलेंट डिप्रेशन की ओर धकेल रही है। हम यह समझना होगा कि चीजें और तकनीक दोबारा खरीदी जा सकती हैं, लेकिन खोई हुई जिंदगी और परिवार कभी वापस नहीं आता। इस बात को हम जितनी जल्दी समझ लेंगे, उतना ही सभी के लिए बेहतर होगा।

आज की डिजिटल दुनिया में अत्यधिक स्क्रीन टाइम मानसिक अवसाद यानी डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बन रहा है। दिखावे की संस्कृति और अनियंत्रित मानसिक अवसाद हंसते-खेलते परिवारों को तबाह कर रहे हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के संभाजीनगर में आत्महत्या के विवाद में एक 19 वर्षीय युवक और उसे बचाने के प्रयास में उसके माता-पिता की पहाड़ी से गिरकर हुई दर्दनाक मौत इस बात का जीता-जागता और भयावह उदाहरण बना है। घटना केवल एक फोन की ज़िद नहीं, बल्कि इसके पीछे युवाओं में लगभगी आत्महत्याइल, घटते सब्र, गंभीर स्क्रीन एडिक्शन और छिपे हुए मानसिक अवसाद की गहरी समस्या

लंदन डायरी : ब्रिटिश स्वाभिमान के प्रतीक हैं लंदन के लाल टेलीफोन बूथ

भारत में डिजिटल क्रांति के बाद टेलीफोन बूथ अब कहीं देखने को नहीं मिलते। हाथ में हर समय मोबाइल धामे नयी पीढ़ी के लिए ये बूथ अब कोतुहल के विषय बन गए हैं। मगर लंदन में आपको आज भी लाल रंग के टेलीफोन बूथ देखने को मिल जायेंगे जो वहां की विशिष्ट पहचान है। लंदन के लाल रंग के ये बूथ दुनिया भर में ब्रिटिश सांस्कृतिक आइकॉन के रूप में देखे जाते हैं। बूथ में रखा टेलीफोन चालू अवस्था में है।

लन्दन भ्रमण के दौरान मुझे इन बूथों को देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ। मैंने बूथ में जाकर देखा तो ये चालू अवस्था में मिले। इसी के साथ अब डिजिटल टेलीफोन बूथ भी लन्दन की सड़कों पर देखने को मिल जायेंगे। इनके लाल रंग के होने की भी एक कहानी है। बताते हैं उन्नीसवीं शताब्दी में सबसे पहले डाक विभाग ने अपने पोस्ट बॉक्स बनाये व् हेर रंग के थे।

राजनैतिक नेतृत्व मिलने जा रहा है परन्तु धीरे-धीरे देश के युवाओं को समझ में आ गया कि आन्दोलन के असली सूत्रधार कौन है और उनका मकसद क्या है?

किसी भी आन्दोलन की सफलता के लिए उसका पारदर्शी होना अत्यन्त आवश्यक है। सीजेपी के इस आन्दोलन पर कितना खर्च हुआ और किसने किया, कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गयी। सामान्य चर्चा में देश की राजनीति में पराजित चेहरों एवं भारत विरोधी विदेशी एजेंन्सीज का नाम सामने आ रहा है।

प्रजातन्त्र में सरकार विरोधी आन्दोलन होना बहुत ही सामान्य बात है और प्रजातन्त्र की सफलता के लिए सरकारी नीतियों के विरुद्ध समय-समय पर विरोध प्रदर्शन होना भी आवश्यक है। इस प्रकार के आन्दोलनों को भी एक मर्यादा होती है, अनुशासन होता है।

सीजेपी के इस आन्दोलन में कुछ असामाजिक तत्वों का बोलबाला था, जो देश एवं प्रधानमंत्री को बहुत ही घटिया तथा अमर्यादित शब्दों में सम्बोधित कर रहे थे। दुःखद स्थिति तो यह थी कि अनेक छात्राएँ भी इसी गाली-गालीच की भाषा में बात कर रही थीं। सोशल मीडिया पर

इस दृश्य को देखने और सुनने के बाद देशवासियों का सिर शर्म से झुक गया। ऐसे संस्कार विहीन छात्र-छात्राओं की टीम कहीं से आयी और उन पर किसी का नियंत्रण भी दिखाई नहीं दिया। इन छात्राओं के माता-पिता ने समाज में हुए अपमान को कैसे बर्दाश्त किया होगा, समझ सकते हैं।

इस सारे घटनाक्रम में समाजसेवी सोनम वांगचुक के सत्याग्रह में अवश्य ईमानदारी दिखाई देती है। उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र में ऐसी शान्तिपूर्ण अभिव्यक्ति को पनपने दीजिये। ये हमारा प्रदर्शन नहीं, आग्रह है। पुलिस ने यह आन्दोलन शान्तिपूर्ण तरीके से होने दिया, रोक-टोक नहीं लगाई, यह स्वागत योग्य है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आन्दोलन की समाप्ति के बाद कॉंक्रोच जनता पार्टी ने सोनम वांगचुक को पदों के पीछे धकेल दिया है।

झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में छांधली के खिलाफ आंदोलनरत छात्रों को कॉंक्रोच जनता पार्टी का क्या केवल नैतिक समर्थन देना ही पर्याप्त है? जंतर-मंतर का आंदोलन विचार परीक्षाओं में छांधली के लिए था, झारखंड में इससे कहीं ज़्यादा गंभीर

रोजगार-मूलक परीक्षाओं में छांधली होने के बावजूद सीजेपी की निष्क्रियता में कमजोर राजनीतिक सोच की गंध आती है। चार-पांच वर्ष पूर्व राजस्थान में भी भर्ती परीक्षाओं में हुई अनेकानेक गड़बड़ियों के बावजूद अधिजीत दिपके अमेरिका का आनंदमय जीवन छोड़कर नहीं आ पाए। सौभाग्य से देश का युवा समझदार है, उसे लंबे समय तक सत्य से दूर नहीं रखा जा सकता है।

आर. एस. एस. प्रमुख डा. मोहन भागवत ने जेन-जी के प्रदर्शनों के सम्बन्ध में बहुत ही सटीक विचार व्यक्त करते हुए कहा है कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी संवाद का एक तरीका है। लेकिन इसका उद्देश्य सहमति बनाना हो न कि विभाजन। उन्होंने कहा कि जेन-जी की शिकायतें सही हैं, नाराजगी जायज है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की ज़रूरत है। शिक्षा को व्यापार मत बनने दीजिये। वह सबके लिए समान रूप से सुलभ होनी चाहिये। सरकार को जीडीपी का 6 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करना चाहिये। सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिय समाधान नहीं है। युवाओं में सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग का आत्मानुशासन विकसित करना होगा। हमारी युवा शक्ति की गति ही देश की

प्रगति की आधारशिला है। गति के साथ दिशा भी सही होना चाहिए। विश्वविद्यालयों को बच्चों को केवल डिग्री नहीं, दिशा एवं आत्मविश्वास भी देना होगा। ज्ञान के अमृत को व्हाट्सएप एवं टिवटर पर तलाश करने की ज़रूरत नहीं है। पिछले एक दशक से हमारे देश के राजनैतिक नेतृत्व ने समस्त देशवासियों की सैकड़ों वर्षों से चली आ रही कमजोर मानसिकता में परिवर्तन करते हुए आत्म-गौरव एवं आत्मविश्वास का शंखनाद किया है। यह एक गौरवशाली एवं क्रांतिकारी शुभारंभ है। आज इसी दिशा एवं सोच से भरपूर हमारी युवा पीढ़ी पर हमें गर्व है। जो टेलेंटेड है, आत्मविश्वास से लबाबव है और मेरी पीढ़ी से ज़्यादा अनुशासित भी है। जो समस्याओं को टालने में नहीं, उससे टकराने में और उसे मिटाने में विश्वास करती है। ए. आई. में भाग्य और भविष्य देखने वाली ऐसी युवा शक्ति को सड़कों पर नारेबाजी एवं गाली-गलीच करते हुए नहीं देख सकते हैं। साथ ही समाज को भी जेन-जी की प्रतिभा एवं भावनाओं का सम्मान करना होगा।

—प्रो.कैलाश सोडाणी, पूर्व कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विवि, कोटा

संबंधित जोखिम अधिक पाया गया है। गाँवियाबाद में ऑनलाइन गेमिंग और मोबाइल की लत के चलते तीन नाबालिग बहनों द्वारा नौवीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी करने की घटना इसका उदाहरण है। सड़कों, रेलवे ट्रैक और खतरनाक ऊँचाई पर इंस्टाग्राम रील्स या शॉर्ट वीडियो शूट करने के जुनून में हर साल सैकड़ों भारतीय युवा अपनी जान गंवा रहे हैं या गंभीर हादसों का शिकार हो रहे हैं। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 15 से 24 वर्ष के 14 प्रतिशत युवा (हर 7 में से 1) अक्सर अवसाद या मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं। निमहांस सर्वेक्षण के अनुसार, 13 से 17 वर्ष के 7.3 फीसदी किशोर गंभीर मानसिक विकारों से पीड़ित हैं। शहरी क्षेत्रों में यह संख्या और भी अधिक पाई गई है। एनसीईआरटी छात्र सर्वेक्षण में स्कूल जाने वाले 11 प्रतिशत छात्रों ने अत्यधिक चिंता, 14 फीसदी ने चरम भावनाओं और 43 प्रतिशत ने मुड़ रिवर्स की लक्षणायत की है। आईसीएसआर अध्ययन में कॉलेज जाने वाले 32 प्रतिशत छात्रों में मध्यम से गंभीर अवसाद के लक्षण देखे गए हैं। स्पेन लैम्ब की युवा मानसिकता रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट और डिजिटल दुनिया से जुड़े 13-17 वर्ष के भारतीय किशोरों में आक्रामकता, गुस्सा और आत्म-नियंत्रण की कमी तेजी से बढ़ रही है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की मृत्यु का एक मुख्य कारण आत्महत्या है। कम उम्र में स्मार्टफोन का अत्यधिक उपयोग, स्क्रीन टाइम बढ़ना और संयुक्त परिवारों का टूटना युवाओं को अकेला बना रहा है।

इस जानलेवा स्थिति से परिवार को सुरक्षित रखने के लिए माता-पिता और युवाओं दोनों को तुरंत कदम उठाने होंगे। इसके लिए शुरुआती उम्र में फोन से दूरी बनाएं। बच्चों को शांत रखने के लिए बचपन से ही हाथ में फोन धमाने की आदत बिल्कुल बंद करें। बच्चों को स्क्रीन एडिक्शन से बचने के लिए उन्हें समय दें। बच्चों के साथ हर दिन बिना फोन के बैठें, खेलें और उनके मन की बात सुनें। बच्चों की हर ज़िद (विशेषकर महंगी चीजों की) तुरंत पूरी न करें। उन्हें अपाव और सब का मल्टी सिखाएं। यदि बच्चा फोन न मिलने पर खाना छोड़ रहा है, हिंसक हो रहा है या खुद को कमरे में बंद कर रहा है, तो यह खतरे की घंटी है। इन बदलावों को समय रहते पेशचॉन।

इसके साथ ही परिवार में डिजिटल डिटॉक्स के नियम अपनाएं जैसे नो-फोन जैन यानी घर के डाइनिंग टेबल और बेडरूम में मोबाइल का उपयोग पूरी तरह वर्जित करें। डिजिटल डिटॉक्स के तहत सप्ताह में कम से कम एक दिन या कुछ घंटे पूरे परिवार के साथ बिना गैजेट्स के बिताएं। यदि परिवार में कोई व्यक्ति या युवा गंभीर अवसाद, स्क्रीन की लत या आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा है, तो इसे नजरअंदाज न करें। तुरंत किर्नलिकल साइकोलॉजिस्ट से काउंसिलिंग कराएं या भारत सरकार की मुफ्त और गोपनीय हेल्पलाइन पर संपर्क करें। मैंने यह समझना होगा कि चीजें और तकनीक दोबारा खरीदी जा सकती हैं, लेकिन खोई हुई जिंदगी और परिवार कभी वापस नहीं आते। इस बात को हम जितनी जल्दी समझ लेंगे, उतना ही सभी के लिए बेहतर होगा।

—डॉ. मोनिका शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

लन्दन अपनी हरियाली के लिए जाना जाता है। हरियाली से मिलता लाल अंग्रेजों को पसंद नहीं आया क्योंकि लोग इन्हें सही ढंग से देख नहीं पाते। लोग अत्यधिक हरियाली के कारण इनसे टकरा जाते, ऐसे स्थिति में उन्हें लाल रंग से रंगा गया जो दूर से ही दिख जाते। बाद में 192० में जब टेलीफोन बूथ बने तो उन्हें लाल रंग से ही रंगा गया। तम से आजतक ये बूथ लाल टेलीफोन बूथ के नाम से ख्यात है। समय के साथ टेलीफोन बूथ दुनियां से मिट गए मगर लंदन में स्थान पर ये बूथ जीवित अवस्था में देखे जा सकते हैं। 1९8० के बाद नए बूथ नहीं लग रहे हैं मगर पुराने बूथ सैलानियों के आकर्षण बने हुए हैं। मोबाइल फोन की क्रांति ने दुनिया भर में पीसीओ के कारोबार को चौपट कर दिया है। ब्रिटेन के लोग इससे खासे परेशान हैं। लोगों का कहना है कि लाल रंग का टेलीफोन बूथ उनकी

लन्दन अपनी हरियाली के लिए जाना जाता है। हरियाली से मिलता लाल अंग्रेजों को पसंद नहीं आया क्योंकि लोग इन्हें सही ढंग से देख नहीं पाते। लोग अत्यधिक हरियाली के कारण इनसे टकरा जाते, ऐसे स्थिति में उन्हें लाल रंग से रंगा गया जो दूर से ही दिख जाते। बाद में 192० में जब टेलीफोन बूथ बने तो उन्हें लाल रंग से ही रंगा गया। तम से आजतक ये बूथ लाल टेलीफोन बूथ के नाम से ख्यात है। समय के साथ टेलीफोन बूथ दुनियां से मिट गए मगर लंदन में स्थान पर ये बूथ जीवित अवस्था में देखे जा सकते हैं। 1९8० के बाद नए बूथ नहीं लग रहे हैं मगर पुराने बूथ सैलानियों के आकर्षण बने हुए हैं। मोबाइल फोन की क्रांति ने दुनिया भर में पीसीओ के कारोबार को चौपट कर दिया है। ब्रिटेन के लोग इससे खासे परेशान हैं। लोगों का कहना है कि लाल रंग का टेलीफोन बूथ उनकी



भावनाओं का एक अहम हिस्सा, जिसे वह जिंदी रखना चाहते हैं। ये बूथ 1९36 से इंग्लैंड की खास पहचान बने हुए हैं। 1९26 से टेलीफोन बूथों को ब्रिटिश शासन के प्रतीक टचयूडर

ताज से सजाया गया । ब्रिटेन का पहला पब्लिक फ़ोन बूथ, जिसे 1 के नाम से जाना जाता है, 1९2० में लंदन की सड़कों पर आया। कन्नोट से बने और लाल दरवाज़े वाले इस बूथ में कोई खास सुंदरता नहीं थी। सन 1९२3 में, ज़्यादा आकर्षक टेलीफ़ोन बॉक्स बनाने के लिए एक डिज़ाइन प्रतियोगिता शुरू की गई। इसमें मशहूर आर्किटेक्ट्स के प्रस्ताव आए, जिनमें सर ज़ाहेस गिब्लर्ट स्कॉट भी शामिल थे जो विजेता बने।

स्कॉट का शानदार, कास्ट आयरन वाला डिज़ाइन सेंट पैन्क्रास में सर जॉन सोएन के मक़बरों की गुंबदवार छत से प्रेरित था। इस तरह, 2 लाल टेलीफ़ोन बॉक्स का जन्म हुआ, जिसमें चमकीला लाल रंग और आउट-डेको स्टायल था, जो जल्द ही लंदन की सड़कों पर छा गया। 1९35 में, किंग जॉर्ज पंचम की सिल्वर ज़ुबली

मानने के लिए 6 मॉडल पेश किया गया। यह लंदन के बाहर लगाया गया पहला लाल टेलीफ़ोन बॉक्स था, जिससे यह पसंदीदा डिज़ाइन ब्रिटेन के कस्बों और गाँवों तक पहुँचा। इसने लाल बॉक्स की देशव्यापी लोकप्रियता की शुरुआत की। धीरे-धीरे लाल टेलिफ़ोन बूथ सीन से ग़ायब होने लगे। लेकिन स्थानीय समुदायों और ब्रिटिश दूरसंचार के प्रयासों से उनमें से सैकड़ों लाल टेलीफ़ोन बक्खों को पुस्तकालयों के रूप में पुनर्जीवित कर दिया है। ब्रिटेन के लोग अपने लोकप्रिय ब्रिटिश लाल टेलीफ़ोन बॉक्स को छोटे-छोटे पुस्तकालयों में बदल रहे हैं। यहां से कोई भी पुस्तक घर ले जाने के लिए स्वतंत्र है, बशर्ते वे इसे वापस लाएँ या इस के बदले घर से लाकर कोई दूसरी पुस्तक रख दें।

—बाल मुकुन्द ओझा, वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार



पंडित अनिल शर्मा

कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह।
आज भद्रा दिन 12:31 रात्रि 11:32 तक रहेगी। आज अघोरा चजुरदशी व्रत, मास शिवरात्रि, जैन पयुषण आरम्भ (पंचमी पक्ष)
श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 1०:51 से 12:24 तक, चर 3:3० से 5:०3 तक, लाभ 5:०3 से सूर्यास्त तक।
राहुकाल: 12:00 से 1:3० तक, सूर्योदय 6:13, सूर्यास्त 6:35

मेघ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। दिन के मध्याह्न पश्चात व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नौकरिपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्ययधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनासुचारु बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
आज संश्लिप्त कार्यों में समय खर्चाव हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागवीड़ रहेगी।

कुंभ
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संपातित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।



प्रिय प्रदेशवासियों,

हमने संकल्प पत्र में 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' का वादा किया था, जिसे हमने पूरा करके दिखाया है। बार-बार चुनाव और आचार संहिता के कारण विकास की गति प्रभावित होती है; एक साथ चुनाव से इस व्यवधान को कम किया गया है।

आपका वोट राजस्थान के बेहतर भविष्य का संकल्प है। संकल्प वही, जिसे धरातल पर उतारा जाए; वादा वही, जिसे पूरा किया जाए। नए राजस्थान, नए विश्वास और नई रफ्तार के लिए; भाजपा को वोट दें-विकास के लिए, विश्वास के लिए।

"घर से निकलें, बूथ तक जाएं, लोकतंत्र का पर्व मनाएं" "आपका वोट - आपके क्षेत्र का भविष्य तय करेगा"

जिस शहर में हमारा घर है, जहाँ हमारे बच्चे बड़े होते हैं, जहाँ हमारी खुशियाँ और हमारी यादें बसती हैं, उस शहर का भविष्य तय करने का अवसर हमारे हाथ में है। इस बार आपको केवल वोट ही नहीं डालना बल्कि अपने शहर के बेहतर कल के लिए मतदान करना है।

स्थानीय निकाय चुनावों का यह अवसर हमें अपने मोहल्ले, कस्बे, शहर और अपने आसपास के विकास की दिशा तय करने का अधिकार देता है। इसलिए मेरा आप सभी से अनुरोध है कि अपने घर से अवश्य निकलें और मतदान केंद्र तक पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपने मताधिकार का प्रयोग करें।

हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व ने देश में विकास और सुशासन का एक नया विश्वास पैदा किया है। डबल इंजन की हमारी सरकार इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

याद रखिए, लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब नागरिक जागरूक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। मतदान करना हमारा राष्ट्र के प्रति अपने संवैधानिक कर्तव्यों की भावना को निभाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अपने क्षेत्र के समुचित विकास के लिए आप जैसे शहर चाहते हैं, वैसे शहर बनाना आपके हाथ में है। अपने वोट के माध्यम से आप यह काम बखूबी कर सकते हैं।

देश और प्रदेश की विकास यात्रा में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसके लिए आपसे आग्रह है कि भारतीय जनता पार्टी को नगरीय निकायों में विजय दिलाकर हमारी डबल इंजन की सरकार में शहरी सरकार का तीसरा इंजन जोड़ें और ट्रिपल इंजन की सरकार का निर्माण कर विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में सहयोगी बनें।

कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान स्थानीय निकायों के कुशासन से आप भली-भांति परिचित हैं। कांग्रेस के कुशासन का दौर गया, अब विकास की बारी है। कुशासन से त्रस्त थे, अब सुशासन का साथ दें।

आइए, हम सब मिलकर हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित राजस्थान के निर्माण में अपना सहयोग करें।

आपका अपना
- भजनलाल शर्मा



नगर निकाय चुनाव में

कमल खिलाना है
विकास को आगे बढ़ाना है

कोटा के सीवी गार्डन में 20 फीट ऊंचे पेड़ पर दिखा लैपर्ड, लोगों में दहशत

मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने पेड़ पर बैठे लैपर्ड को देखा तो पुलिस व वन विभाग को सूचना दी

कोटा, (निसं)। शहर के सीवी गार्डन में मंगलवार की सुबह अचानक उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों की नजर पेड़ पर बैठे एक लैपर्ड (तेंदुए) पर पड़ी। लैपर्ड को जमीन से करीब 20 फीट ऊंचे पेड़ की डाल पर बैठा देख टहल रहे लोगों में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीमों ने मोर्चा संभाला और आनन-फानन में पूरे पार्क को खाली कराकर सभी मुख्य दरवाजे बंद कर दिए। वन विभाग और नगर निगम की टीम ने हाइड्रोलिक दमकल की मदद से लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज (बेहोश) किया और जाल बिछाकर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। पकड़े गए लैपर्ड को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के नाइट शेल्टर में भेजा गया है, जहां से उच्च अधिकारियों की अनुमति के बाद उसे जंगल में छोड़ा जाएगा।

उपवन संरक्षक प्रमोद कुमार धाकड़ का कहना है कि लैपर्ड पेड़ पर मौजूद था, ऐसे में उसको पिंजरे के जरिए या सीधे जाल में पकड़ना मुश्किल था। इसीलिए नगर निगम के अग्निशमन अनुभाग की मदद से



कोटा के सीवी गार्डन में तेंदुए की मौजूदगी से अफरा-तफरी मच गई।

दमकल को बुलवाया गया। हाइड्रोलिक दमकल को पैथरजिस पेड़ पर मौजूद था, उसके नीचे गार्डन में खड़ा किया गया।

पहले लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज करने

वाले एक्सपर्ट ने गन से डॉट मारी थी। एक दो निशाने चूकने के बाद डॉट सटीक लग गई थी, जिसके बाद पैथर बेहोश हो गया था। जिसके बाद वन विभाग के कार्मिकों ने लैपर्ड को पेड़

से नीचे जाल में गिराया गया और उसके बाद पिंजरे में कैद किया गया। पैथर को अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क के नाइट शेल्टर में ले जाया जा रहा है, जहां पर रखा जाएगा। पैथर को जंगल

- वन विभाग और नगर निगम की टीम ने हाइड्रोलिक दमकल की मदद से लैपर्ड को ट्रेंकुलाईज किया और जाल बिछाकर सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया**

में रिलीज करने का निर्णय उच्च अधिकारी लेंगे इसके बाद उसे रिलीज किया जाएगा।

रेंजर नागर ने बताया कि लैपर्ड की सूचना पर वे मौके पर पहुंच गए थे। साथ ही टीम को भी बुलाया गया। अभी यह पता नहीं लग पाया कि यह लैपर्ड कहां से और किधर से आया। सीवी गार्डन एक तरफ किशोर सागर तालाब से घिरा हुआ है और बाकी तीनों तरफ सड़क बनी हुई है। वन विभाग का उपवन संरक्षक कार्यालय भी इससे लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि लैपर्ड शिकार की तलाश में आया होगा क्योंकि गार्डन में बड़ी संख्या में बंदर भी रहते हैं।

अवधेश मीणा हत्याकांड का इनामी आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

आरोपी जयपुर में रहकर ठिकाने बदल रहा था

वजीरपुर, (निसं)। सवाई माधोपुर जिले के चर्चित अवधेश मीणा हत्याकांड में करीब चार महीने से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी आरोपी सुग्रीव मीणा (25) पुत्र चासीराम मीणा को पुलिस ने जयपुर से गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस से बच रहा था। पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर जयपुर में दबिश देकर उसे धर दबोचा।

जानकारी के अनुसार मामला गत 6 मई की रात का है। अमर सिंह अपने भाई सियाराम और अवधेश के साथ बाइक से गांव मीणा बड़ोदा लौट रहे थे। सेंगरपुरा रोड स्थित रमशान घाट के पास घात लगाए बैठे बदमाशों ने 6-7

- 21 सदस्यीय टीम ने दबिश देकर इनामी आरोपी सुग्रीव मीणा को पकड़ा**
- गाड़ियों में आए बदमाशों ने अवधेश मीणा पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी**

गाड़ियों में सवार होकर उन्हें घेर लिया। आरोपियों ने अवधेश पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने के साथ लाठी-सरियों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल अवधेश की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत

हो गई थी।

एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के निर्देशन में आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 21 सदस्यीय विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस के अनुसार, सुग्रीव लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। टीम को उसकी जयपुर में मौजूदगी की सूचना मिली, जिसके बाद दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मामले में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वजीरपुर थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहन पूछताछ की जा रही है। हत्याकांड में शामिल अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईटिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसराम लीलावत, मालाराम, अशोक सुधार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईटिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसराम लीलावत, मालाराम, अशोक सुधार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईटिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसराम लीलावत, मालाराम, अशोक सुधार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईटिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसराम लीलावत, मालाराम, अशोक सुधार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आग लगने की सूचना मिलने के बाद चीफ फायर ऑफिसर जलज घसिया भी मौके पर पहुंचे। जिस फैक्टरी में आग लगी वहां फायर फाईटिंग को सिस्टम भी नहीं लगा हुआ था, इसके चलते भी आग विकराल हो गई। हालांकि समय रहते आग बुझा लिए जाने से कोई बड़ी जनहानी टल गई। आग से फैक्टरी में लगा टीन शेड भी टूट गया। आग बुझाने वाली टीम में जसराम लीलावत, मालाराम, अशोक सुधार, कैलाश, प्रशांत सिंह, रणजीत, मोहनलाल, प्रकाश आदि शामिल रहे।। जानकारी के अनुसार जिस फैक्टरी में आग लगी वहां आग से बचाव के लिए कोई सुरक्षा उपकरण नहीं लगे हुए थे।

आचार संहिता प्रभारी बीना महावर ने जिला परिषद के सीईओ को पत्र भेजकर मामले से जुड़ी जानकारी और रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि सरकारी वाहन के इस्तेमाल को लेकर नियमों का उल्लंघन हुआ या नहीं और अगर किस तरह की कार्रवाई की जानी है। इसी बीच अलवर जिला परिषद में कार्यरत सहायक विकास अधिकारी ब्रजेश कुमार पटेल को लेकर भी निर्वाचन विभाग ने रिपोर्ट मांगी है। राज्य निर्वाचन आयुक्त की ओर से जिला

खारी-मासी नदियों में अवैध बजरी खनन पर एनजीटी सख्त

अधिकरण ने संयुक्त समिति की जांच रिपोर्ट को स्वीकार कर मामले का निस्तारण किया

जयपुर। राजस्थान की खारी और मासी नदियों में कथित अवैध बजरी खनन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण, मध्य क्षेत्र पीठ, भोपाल ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। अधिकरण ने संयुक्त समिति की जांच रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए मामले का निस्तारण कर दिया। साथ ही संबंधित विभागों और खनन संचालक को पर्यावरणीय नियमों और स्वीकृति की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने 8 सितंबर को हबीब मोहम्मद बनाम राजस्थान राज्य एवं अन्य मामले में फैसला सुनाया। मामले में खारी और मासी नदियों में कथित अवैध और अनधिकृत बजरी खनन, नदी तल और सीमा चिन्हों को नुकसान पहुंचाने, सार्वजनिक रास्तों में अवरोध पैदा करने तथा भूजल, कृषि भूमि और स्थानीय पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव का मुद्दा उठाया गया था।

मामले की सुनवाई के दौरान अधिकरण ने राजस्व विभाग और राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अधिकारियों को शामिल कर एक संयुक्त समिति गठित की थी। समिति

- संबंधित विभागों और खनन संचालक को पर्यावरणीय नियमों और स्वीकृति की शर्तों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**

ने 7 मई 2026 को खारी और मासी नदियों के विभिन्न स्थानों, बजरी परिवहन केंद्रों और खनन क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हवा की गुणवत्ता, ध्वनि स्तर और भूजल की गुणवत्ता की भी जांच की गई। अधिकरण ने समिति की रिपोर्ट और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण करने के बाद पाया कि संबंधित परियोजना संचालक के पास वैध पर्यावरणीय स्वीकृति के साथ स्थापना और संचालन की सहमति उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान खनन की गहराई भी पर्यावरणीय स्वीकृति में निर्धारित सीमा के भीतर पाई गई।

अधिकरण ने खान एवं भूविज्ञान विभाग को रेत और बजरी खनन से संबंधित निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। खनन

मसूदा में लावारिस खड़ी कार से 1 10 किलो डोडा-पोस्ट बरामद

के निर्देशन में पुलिस थाना मसूदा के थानाधिकारी विजयसिंह मीना के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली कार :-पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को थानाधिकारी विजय सिंह मीना जाते के साथ नगर निकाय चुनाव को देखते हुए गश्त एवं कानून व्यवस्था इयूटी पर थे। इसी दौरान मसूदा के पास जंगल में एक दुर्घटनाग्रस्त वाहन के लावारिस हालत में खड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को मेडिटिया पेट्रोल पंप से पूर्व रणपति इलेक्ट्रिक के पास वाली गली में झाड़ियों

के निर्देशन में पुलिस थाना मसूदा के थानाधिकारी विजयसिंह मीना के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

दुर्घटनाग्रस्त हालत में मिली कार :-पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को थानाधिकारी विजय सिंह मीना जाते के साथ नगर निकाय चुनाव को देखते हुए गश्त एवं कानून व्यवस्था इयूटी पर थे। इसी दौरान मसूदा के पास जंगल में एक दुर्घटनाग्रस्त वाहन के लावारिस हालत में खड़े होने की सूचना मिली। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को मेडिटिया पेट्रोल पंप से पूर्व रणपति इलेक्ट्रिक के पास वाली गली में झाड़ियों के निर्देशन में पुलिस थाना मसूदा के थानाधिकारी विजयसिंह मीना के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि हरियाणा पंजीकरण संख्या वाला एक ट्रक लाइपुरा क्षेत्र से पंजाब की ओर अवैध डोडा-चूरा ले जा रहा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीनू) कोटा के अधिकारियों को टीम गठित

भीलवाड़ा के उदलियास में 12 फीट लंबा अजगर पकड़ा



वन विभाग और रेस्क्यू टीम ने ग्रामीणों की मदद से अजगर को पकड़ा।

भीलवाड़ा, (निसं)। उदलियास कस्बे के बाग के बालाजी मंदिर के पीछे जंगल में सोमवार रात करीब 8:30 बजे 12 फीट लंबा प्रशाल अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। अजगर दिखने की खबर फैलते ही मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

स्थानीय निवासी मुकेश जांगिड़ ने बताया कि मंदिर के पीछे झाड़ियों के बीच बने एक गड्ढे में ग्रामीणों को यह अजगर दिखाई दिया। अजगर का विशाल रूप देखकर ग्रामीण हैरान रह गए। इसके बाद तुरंत वन विभाग और रेस्क्यू टीम को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम से राजू बैरवा और इरास टीम मौके पर पहुंची। गड्ढे

- मंदिर के पीछे झाड़ियों के बीच बने गड्ढे में ग्रामीणों को अजगर दिखाई दिया**
- रेस्क्यू के बाद टीम ने अजगर को सुरक्षित वन विभाग के सुपुर्द कर दिया**

और झाड़ियों में छिपे अजगर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए टीम को करीब 2 घंटे तक कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। रेस्क्यू के बाद अजगर को

सुरक्षित वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। रेस्क्यू टीम के राजू बैरवा ने बताया कि यह गंगा किनारे पाई जाने वाली पाइथन अजगर का अजगर है। इसमें जहर तो नहीं होता, लेकिन यह अपनी मजबूत पकड़ और नुकीले दांतों से किसी भी शिकार पर हमला कर उसे मार सकता है।

मौके पर पिंटू सिंह, भैरू सिंह, देवी सिंह, मुकेश सुथार, राजू शर्मा, रायमल भील सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। अजगर के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू टीम ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित निकाला।

फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर। शहर के सविना थाना पुलिस ने फायरिंग करने के मामले में गौगा गैंग इनामी दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। भागते समय दोनों बदमाश चोटिल हो गये। सविना थानाधिकारी दलबीरसिंह के नेतृत्व मय टीम ने कार्यवाही करते हुए दस-दस हजार रूपये के इनामी बदमाश उस्मान गनी पुत्र मोहम्मद इब्राहिम निवासी चित्रकूट नगर सविना मोहसीन गदनीया उर्फ काण पुत्र अरिफ मोहममद निवासी मुर्शिद नगर हिरणमगरी सेक्टर 12 को गिरफ्तार किया। उस्मान के खिलाफ दो एवें मोहसीन के खिलाफ दो प्रकरण पूर्व में दर्ज हैं।

RAJASTHAN AGRICULTURAL RESEARCH INSTITUTE		
No. :- F.9/ (JSKNAU/DIR-RARI/Accts/2026/1141		Dated :- 05/09/2026
विज्ञापन		
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान में दिनांक 18.09.2026 को प्रातः 11:00 बजे कार्यालय / प्रयोगशाला में काम आये हुए अनुपयोगी उपकरण, क्लर, फीज, स्फेथालाईजर, एग्री काटि, ताते, बागवाने के उपकरण, प्रिन्टर, फोटोस्टेट मशीन, प्लास्टिक का सामान, लोहे का सामान, टर्ब, दरी, टायर, फर्नीचर एवं अन्य सामान जिस हालात में है, जैसे है कि नीलामी की जावेगी जिसका पुस्तक मूल्य लगभग 1,97,00,000 (अक्षर एक करोड़ सतानेने लाख रूपये मात्र) है। विस्तृत विवरण हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.sknau.ac.in एवं www.raridurgapura.org पर देखें।		
राज.संवाद/सी/26/10547		निदेशक

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनारल्स लिमिटेड	दिनांक - 07/09/2026
ई-निविदा सूचना	
निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
e-Tender no. R5MM/CO/ GGJ/Cont/Cont-20/2026-27 Dated 25.08.2026	कापौरेट कार्यालय, 4 मीरा मार्ग, उदयपुर पर कार्य करने हेतु उच्चकुशल / कुशल / अर्धकुशल / अकुशल प्रकृति के श्रमिकों की आवश्यकता हेतु ई-निविदा प्राप्त कुल अनुमानित लागत: रु. 62.00 लाख, पक्षीहर राशि: रु. 1.24 / - निविदा शुल्क: रु. 4720 / -
UBN No. MML26275LO800111	
उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.r5mm.com , www.sppp.rajjasthan.gov.in , www.eproc.rajjasthan.gov.in अथवा वरिष्ठ प्रबंधक (अनुबंध) से उपरोक्त पत्र पर समकें करें।	
राज.संवाद/सी/26/10542	
उप बलाघरक (का.एल.एस.)	

कार्यालय नगर परिषद बारां	संस्थापक, बारां	Phone : 07453-230106
E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com	संस्थापक, बारां	दिनांक :- 07.09.2026
क्रमांक :- नगरपाल / डोल मेला / 2026 / 6922-23		
EXPRESSION OF INTEREST		
नगर परिषद बारां द्वारा प्रति वर्ष की मांति इस वर्ष भी डोल मेला 2026 का दिनांक 22.09.2026 से दिनांक 08.10.2026 तक आयोजन किया जायेगा। वर्तमान मे नगरीय निकाय क्षेत्र मे आदर्श आंचार सहिता लागू है, मेला आयोजन के लिए आवश्यक अभिव्यक्ति की अभिकधि (EOI) जारी करने तथा डोल मेला आयोजन के लिए आवश्यक सभी कार्यवाही किये जाने हेतु श्रीमान जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर महोदय द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।		

मेले मे सांस्कृतिक कार्यक्रम को आकर्षक बनाने हेतु डोल मेला 2026 मे आयोजित किय जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम / कवि सम्मेलन /मुशायरा कार्यक्रम तथा तेजाजी कार्यक्रम, Laughter show इत्यादि) हेतु फर्म / इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / लोक कला मण्डल के श्रमिकों से प्रस्ताव आमन्त्रित किये जाते है। प्रस्तुत प्रस्ताव मे दिये जाने वाले कार्यक्रमो का पूर्ण विवरण एवं पिछले किसी कार्यक्रम की विडिओ-सीडी / पेन ड्राइव मे प्रस्तुत करनी आवश्यक होगी।

क्र.सं.	कार्यक्रम	तिथि	वार
1	तेजाजी कार्यक्रम	22.09.2026	मंगलवार
2	सांस्कृतिक कार्यक्रम	23.09.2026	बुधवार
3	स्थानीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा	24.09.2026	गुरुवार
4	सांस्कृतिक कार्यक्रम	25.09.2026	शुक्रवार
5	सांस्कृतिक कार्यक्रम	26.09.2026	शनिवार
6	सांस्कृतिक कार्यक्रम	27.09.2026	रविवार
7	सांस्कृतिक कार्यक्रम	28.09.2026	सोमवार
8	राजस्थानी कवि सम्मेलन	29.09.2026	मंगलवार
9	सांस्कृतिक कार्यक्रम	30.09.2026	बुधवार
10	अखिल भारतीय मुशायरा कार्यक्रम	01.10.2026	गुरुवार
11	सांस्कृतिक कार्यक्रम	02.10.2026	शुक्रवार
12	अखिल भारतीय कवि सम्मेलन	03.10.2026	शनिवार
13	कव्याली कार्यक्रम	04.10.2026	रविवार
14	सांस्कृतिक कार्यक्रम	05.10.2026	सोमवार
15	भक्ति संस्था कार्यक्रम	06.10.2026	मंगलवार
16	सांस्कृतिक कार्यक्रम	07.10.2026	बुधवार
17	डोल मेला सामान्य कार्यक्रम	08.10.2026	गुरुवार

उक्तानुसार प्रस्ताव नगर परिषद बारां (राज.) कार्यालय मे किसी भी पिछले 03 वर्ष के डोल मेले मे प्रस्तुत किये गये कार्यक्रम की विडिओ-सीडी / पेन ड्राइव के साथ प्रस्ताव को बन्द लिफाफे मे व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत करें। दिनांक 11.09.2026 सांय 4:00 बजे तक प्रस्ताव भरण किये जायेंगे तथा सांय 05.00 बजे पश्चात् मेला समिति के सम्म खोले जायेंगे। मेला समिति द्वारा निर्णय पश्चात् ही अनुमोदन किया जायेगा। उक्त विडिफि एवं शर्तें वेबसाइट www.sppp.rajjasthan.gov.in पर एवं नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है। इस सम्बन्ध मे अधिक जानकारी हेतु नोडल मेला अधिकारी श्री विजय गालव कनिष्ठ अभियन्ता से नगर परिषद मे कार्यालय समय पर सम्पर्क किया जा सकता है।

शर्तें :-

- इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य को नगर परिषद बारां द्वारा जारी पिछले कम से कम 05 वर्षों के डोल मेले मे किये गये कार्यक्रम का आदर्श की प्रति सलतन करना अनिवार्य होगा।
- इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य द्वारा प्रस्तुत दर / राशि मे सभी प्रकार के चार्जज व कर सम्मिलित करने होंगे। नगर परिषद बारां द्वारा किसी प्रकार के अतिरिक्त कर / शुल्क / परिवहन शुल्क इत्यादि का भुगतान नहीं किया जायेगा अतः समस्त व्यय / करो को जोड़कर प्रस्ताव प्रस्तुत करें।
- किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का अधिकार मेला प्रबंधन प्रकोष्ठ / अटोहेल्सकारकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा।
- इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य आदि जिस नाम से प्रस्ताव प्रस्तुत करेगी उसी नाम से भुगतान आरटीजीएस / एनएफटी / ऑनलाईन / बैंक द्वारा टीडीएस काटकर कार्यक्रम सामान्य उपरान्त किया जाएगा, अतः तदनुसार प्रस्तुत प्रस्ताव बैंक खाता संख्या, शाखा, IFSC कोड इत्यादि विवरण प्रस्तुत करें।
- इवेंट मेनेजमेन्ट कम्पनी / फर्म / कलाकार / अन्य यह सुनिश्चित करेंगे कि मेले मे प्रस्तुत किये जाने वाले कार्यक्रम मे सांस्कृतिक / लोक-कला / धार्मिक / सामाजिक / भक्ति आदि की भावना के अनुरूप ही शोमनीय / शालीनता पूर्वक प्रस्तुतियां देंगे। कोई भी कलाकार अश्लीलता / अस्मरता अथवा जनभावना को ठेस पहुंचाने वाले प्रस्तुतियां / कार्यक्रम नहीं देंगे। (UBA-DLB26275LOB20379

राज.संवाद / सी / 26 / 10533

आयुक्त

प्रदेश की 1 6 2 निकायों में प्रथम चरण में आज होगा मतदान

सुबह 7 से शाम 6 बजे तक वोट डाल सकेंगे मतदाता

–कार्यालय संवाददाता–

जयपुर । राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण के मतदान की तैयारियां पूरी हो गई हैं। प्रदेश के 162 नगरीय निकायों में बुधवार को मतदान होगा। इनमें नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाएं शामिल हैं। मतदाता सुबह सात से शाम छह बजे तक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। मतदान दल मंगलवार को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाएं संचाल रहे हैं।

पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इसके बावजूद शेष वार्डों में चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की सक्रियता बढ़ी हुई है। जयपुर जिले में पहले चरण के तहत 18 नगरीय निकायों में मतदान कराया जाएगा। इसके लिए कुल 565 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मतदान दलों ने मंगलवार



जयपुर की भवानी निकेतन कॉलेज से मंगलवार को मतदान दल रवाना हुए।

को केंद्रों पर पहुंचकर नियंत्रण संचालना शुरू कर दिया। मंगलवार को श्री भवानी निकेतन कॉलेज ऑफ फार्मेसी, सीकर रोड से मतदान दलों को उनके संबंधित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। रवानगी स्थल पर मतदान दलों को निर्वाचन सामग्री, प्रशिक्षण और वाहनों की व्यवस्था

उपलब्ध कराई गई।

पहले चरण में प्रदेश के अलवर, भरतपुर, बीकानेर और भीलवाड़ा नगर निगमों में भी मतदान होगा। इसके अलावा चौमूं, शाहपुरा, बाड़मेर, जैसलमेर, तिब्बारा, खैरतार, भिवाड़ी, करौली, कुचामनस्थिटी, डीडवाना, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़,

बांसवाड़ा, झालावाड़, बूंदी, बारां,

जालौर, झुंझुनूं, फतेहपुर, सर्वाई माधोपुर, झेलपुर, सुजानगढ़, चूरू, कोटपुतली, ब्यावर और नागौर नगर परिषदों में भी मतदान होगा। मतदान के दिन मौसम भी फिलहाल अनुकूल रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार 12

■ **ज्ञात रहे कि पहले चरण के चुनाव वाले निकायों में 17 नगर पालिकाओं के 25 वार्ड, चार नगर परिषदों के छह वार्ड और एक नगर निगम के एक वार्ड में सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं।**

सितंबर तक प्रदेश में मानसून कमजोर रहने के कारण बारिश को लेकर कोई बड़ी चेतानवी नहीं है।

ऐसे में मतदान के दौरान बारिश के कारण किसी तरह की बड़ी बाधा की आशंका नहीं है।

प्रदेश में पहले चरण के मतदान के बाद 11 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा, जबकि 14 सितंबर को मतगणना प्रस्तावित है। नगरीय निकाय चुनाव को लेकर अब बुधवार को मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

राजस्थान में कमजोर पड़ा मानसून, 4-5 दिन बारिश पर ब्रेक

जयपुर । राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अब कमजोर पड़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार मानसून ट्रफ अपनी सामान्य स्थिति से खिसककर उत्तर भारत की ओर चली गई है। इसके चलते प्रदेश में अगले चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां सीमित रहने की संभावना है। हालांकि मंगलवार को भरतपुर और कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों ने 12 सितंबर से प्रदेश में एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने और गतिविधियां बढ़ने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को प्रदेश के कुछ ही इलाकों में बारिश हुई। अलवर, कोटपुतली, सीकर और राजसमंद में बरसात मापी गई। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक बारिश राजसमंद के नाथद्वारा में करीब 28 मिलीमीटर हुई। कोटपुतली, अलवर शहर और सीकर के कुछ क्षेत्रों में भी बारिश हुई। देर शाम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू के कई इलाकों में बादल छाए और हल्की बारिश के साथ तेज हवा चली।

इस मानसून सीजन में राजस्थान में अब तक बारिश का आंकड़ा सामान्य से काफी नीचे है। प्रदेश में 24 प्रतिशत कम बारिश हुई है। केवल चार जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

राधाष्टमी पर भक्ति के रंग में रंगेगा गोविंददेवजी मंदिर

1 9 सितम्बर को राधा रानी का होगा पंचामृत महाभिषेक

जयपुर। मंदिर श्री गोविंद देव जी महाराज में श्री राधाष्टमी महोत्सव इस बार 19 सितंबर को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव के तहत 14 से 18 सितंबर तक मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इन दिनों सुबह और शाम प्रसिद्ध भजन मंडलियों की ओर से हरिनाम संकीर्तन और भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। 18 सितंबर को प्रातः से सायंकाल तक अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन का आयोजन होगा।

गोविंद देवजी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी के अनुसार 14 सितंबर को सायंकाल श्री गौरांग महाप्रभु संकीर्तन मंडल की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 15 सितंबर को प्रातः बरसाना वाले सौरभ शर्मा तथा सायंकाल श्री राधा गोविन्द सखी परिवार की ओर से गायन प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं 16 सितंबर को प्रातः श्री श्याम भजन संस्था परिवार सेवा समिति की ओर से तथा सायंकाल एएसएमएस ब्लाड बैंक परिवार की ओर से भजन-कीर्तन होगा। 17 सितंबर को प्रातः श्री सरस प्रभात मंडल और सायंकाल श्री श्याम अनमोल सेवा रत्न परिवार ट्रस्ट की ओर से संकीर्तन किया जाएगा। 18 सितंबर को पूरे दिन अष्ट प्रहर हरिनाम संकीर्तन होगा। इन दिनों राजभोग की झांकी प्रातः 10.45 से 11.15 बजे

अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। नगर निगम चुनाव-2026 के मद्देनजर अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जयपुर उत्तर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सिंघाधर नगर थाना पुलिस ने आरोपी को कब्जे से 144 पक्वे अवैध देशी शराब बरामद की। शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही हॉंडा एक्टिवा स्कूटी भी पुलिस ने जब्त कर ली। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नगर निगम चुनाव के दौरान अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष टीम गठित की गई। जहां पुलिस टीम ने मंदिर मोड़ संकिल के आगे सब्जी मंडी कट के पास अचानक नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक हॉंडा एक्टिवा सवार युवक को रोककर उसकी स्कूटी की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान स्कूटी के आगे पर रखे की खाली जगह में खाकी रंग के तीन कार्टन रखे मिले।

इंटरनेट कंपनियों के उपकरण चुराने वाली गैंग के चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुहाना थाना पुलिस ने एयरटेल सहित अन्य इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों के तकनीकी उपकरण चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो चोरि करने वाले, एयरटेल कंपनी का कर्मचारी और चोरी का माल खरीदने वाला व्यापारी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब पांच लाख रुपये कीमत के दो स्टूलाइसिंग मशीनें बरामद की हैं।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि इंटरनेट कंपनियों के कर्मचारी जब साइट पर फाइबर मरम्मत का काम करते थे, उसी दौरान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधि मिले



जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को सांगानेर एवं बगरू क्षेत्र की 86 कॉलोनियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को कॉलोनियों के नियमन सहित विभिन्न स्थानीय समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुना और उनकी समस्याओं के संबंध में आवश्यक कार्यवाई के लिए आश्वस्त किया। प्रतिनिधिमंडल में नियमन एवं

■ **सांगानेर-बगरू की कॉलोनियों के नियमन सहित स्थानीय मांगों से अवगत करवाया**

संघर्ष समिति के अध्यक्ष रघुनंदन सिंह हाडा, सचिव परशुराम चौधरी, राजेन्द्र सिंह राजawat, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी, रविन्द्र शर्मा, ओम सिंह चन्दावत एवं अशोक सिंह राजावत उपस्थित रहे।

पूर्व जनप्रतिनिधि की बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिजनों से नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

–कार्यालय संवाददाता– **जयपुर ।** राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी पूर्व जनप्रतिनिधि पर बकाया राशि की वसूली उसके पति या परिवारजनों से नहीं की जा सकती और ना उन्हें इसके लिए बाध्य किया जा सकता है। कोई जन-प्रतिनिधि अपने शर्मनाक काम या किसी गलत व्यवहार के लिए खुद ही जिम्मेदार और जवाबदेह होता है। यदि उसके खिलाफ कोई रिकवरी की कार्यवाही शुरू होती है तो बकाया रकम चुकाने और जमा करने के लिए वह अकेला ही जिम्मेदार होता है।

अदालत ने कहा कि पति और पत्नी स्वतंत्र कानूनी इकाइयां हैं तथा एक के

कृत्य या कथित अनियमितता की जिम्मेदारी दूसरे पर तब तक नहीं डाली जा सकती, जब तक कि उसकी संलिप्तता साबित न हो। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्राथी और पूर्व महिला सरपंच के पति को राहत देते हुए संबंधित अफसरों को निर्देश दिया कि वह उसे आगामी पंचायत राज चुनाव लड़ने के लिए तत्काल एनओसी जारी करें। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश बूंदी जिला निवासी राम लक्ष्मण मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता अपनी पत्नी की बकाया रकम के लिए ना तो जमानत देने वाला है और ना ही गारंटर है। यह मामला

राज्य सरकार व पूर्व महिला सरपंच के बीच का एक अलग व स्वतंत्र मामला है। अदालत ने अफसरों के रवैये पर अफसोस जताते हुए कहा कि उन्होंने याचिकाकर्ता को उसकी पूर्व सरपंच पत्नी की बकाया रकम जमा करवाने के लिए मजबूर किया। जबकि उसे जीवन साथी के गलत व्यवहार के लिए जब तक जिम्मेदारी नहीं उठराया जा सकता, जब तक कि वे खुद उसमें शामिल न रहे हो।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता ग्राम पंचायत फलेन्डा के आगामी पंचायती राज चुनाव में लड़ना चाहता है, लेकिन अफसर उसे एनओसी पत्र जारी नहीं कर रहे, क्योंकि उसकी

पत्नी साल 1995 से 2000 में ग्राम पंचायत फलेन्डा की सरपंच रही थी। उसकी पत्नी के खिलाफ जांच के बाद एक वसूली आदेश जारी किया, लेकिन वह बकाया राशि जमा नहीं करा पाई और उनकी संपत्ति की नीलामी की कार्रवाई शुरू हुई। इसके खिलाफ हाईकोर्ट में उसने याचिका दायर की और अदालत ने सितंबर 2009 में अंतरिम आदेश से यह कार्रवाई रोक दी। उसकी याचिका लंबित चल रही है, लेकिन अफसर उसकी पत्नी की बकाया राशि नहीं चुकाने के कारण उसे एनओसी जारी नहीं कर रहे हैं। जिसके चलते वह चुनाव प्रक्रिया में शामिल नहीं हो पा रहा है।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है तो चौकीदार और रसोइये का काम क्यों?

■ **हाईकोर्ट ने प्रशासनिक सुधार विभाग के एसीएस, उप सचिव और सामाजिक न्याय विभाग के निदेशक से जवाब मांगा**

कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी गई। याचिका में कहा गया कि चतुर्थ श्रेणी के पद का काम कराने के बजाए हॉस्टल में रसोइया व चौकीदार का काम करवाया जा रहा है। जबकि उनसे कम मेरिट वाले अन्य अभ्यर्थियों को उनके इच्छित गृह जिले आवंटित कर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी है। अन्य अभ्यर्थियों से बेहतर मेरिट होने के बावजूद उन्हें कम पसंद का

अनुचित पद दूरस्थ जगह पर आवंटित किया है। नियुक्ति के पदस्थापन में उनके साथ भेदभाव हुआ है। राज्य सरकार के प्रशासनिक सुधार विभाग के परिपत्र के अनुसार मेरिट-कम-प्रेफरेंस के आधार पर पोस्टिंग व आवंटन का प्रावधान है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से रसोइया का काम नहीं करवाया जा सकता, क्योंकि दोनों की वेतन श्रृंखला में अंतर है। वहीं सामान भर्ती में अन्य विभाग में नियुक्त कर्मचारियों से चतुर्थ श्रेणी का ही काम करवाया जा रहा है, लेकिन उन्हें मेरिट के अनुसार न नियुक्ति दी और न ही जिला आवंटित किया, जो गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

गणपति के जयकारों से गूंज उठी छोटी काशी

पुष्य नक्षत्र पर गणेशजी का पंचामृत अभिषेक, मोदकों की झांकी सजी

जयपुर (कासं)। छोटी काशी जयपुर में मंगलवार को भौम पुष्य नक्षत्र के अवसर पर प्रथम पूज्य भगवान गणेश के प्राचीन मंदिरों में विशेष धार्मिक अनुष्ठान हुए। मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित दाहिनी सुंड वाले नहर के गणेश जी मंदिर, चांदपोल स्थित परकोटा गणेश मंदिर सहित शहर के विभिन्न गणेश मंदिरों में भगवान गणपति का अभिषेक, पूजन और विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिरों में मोदकों का भोग लगाया गया और श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि तथा विघ्नों के निवारण की कामना की।

मोती डूंगरी में 251 किलो दूध से अभिषेक

महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि मोती डूंगरी गणेश मंदिर में भगवान गणपति का पंचामृत से विशेष अभिषेक किया गया। इसमें 251 किलो दूध, 50 किलो दही, 25 किलो बूरा, 11 किलो शहद और 11 किलो घी के साथ गुलाब जल, केवड़ा जल और इत्र का उपयोग किया गया। अभिषेक के बाद भगवान को चोला चढ़ाकर नवीन पोशाक और नया मुकुट धारण कराया गया। इसके बाद 1008 मोदकों का भोग लगाया गया।

मंदिर में विशेष पूजन के बाद नई ध्वजा भी चढ़ाई गई। महंत कैलाश शर्मा के अनुसार मंदिर परिवार की ओर से मुख्य ध्वजा चढ़ाने की परंपरा है, जबकि 11 अन्य ध्वजाएं श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाती हैं।

मुख्य ध्वजा करीब 27 दिनों में बदली जाती है, जबकि श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई जाने वाली अन्य ध्वजाएं समय-समय पर बदली जाती हैं। शाम से मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दौर शुरू हुआ। भगवान गणेश को धूपद गायन प्रिय माना जाता है, इसी मान्यता के तहत धूपद गायन की प्रस्तुति दी गई। भगवान को छपन भोग भी अर्पित किया गया।



ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए।

नहर के गणेशजी मंदिर में 101 अथर्वशीर्ष पाठ

ब्रह्मपुरी माउंट रोड स्थित श्री नहर के गणेशजी मंदिर में भौम-पुष्य के अवसर पर दिनभर धार्मिक अनुष्ठान हुए। महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में सुबह 8 बजे से गणपति अथर्वशीर्ष के 101 पाठ किए गए। इसके बाद भगवान गणपति का दुर्वा मार्जन से अभिषेक और पूजन किया गया तथा ऋग्वेदोक्त गणपति मात्रिका के पाठ हुए। भगवान को नवीन पोशाक धारण करकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 21 मोदकों का भोग लगाया गया और शयन करवाया गया। शाम को 251 दीपकों से गणपति जी की महाआरती की गई। मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को सुख-समृद्धि दायक एवं विघ्ननिवारक रक्षा सूत्र और पुष्प आशीर्ष प्रदान किए गए। पं. जय शर्मा ने बताया कि मंगलवार को

पड़ने वाला पुष्य नक्षत्र भौम-पुष्य कहलाता है। शस्त्रों में इसे तंत्र-मंत्र की सिद्धि, ऋण मुक्ति और संपत्ति संबंधी कार्यों के लिए विशेष एवं दुर्लभ संयोग माना गया है। गणेश चतुर्थी से पहले भाद्रपद कृष्ण पक्ष में इस संयोग का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

13 से 15 सितंबर तक गणेश जन्मोत्सव

नहर के गणेशजी मंदिर में 13 से 15 सितंबर तक त्रिदिवसीय श्री गणेश जन्मोत्सव मनाया जाएगा। गणपति को गोटा-पत्रियों से शृंगारित कर राजश्रीही पोशाक, स्वर्ण मंडित मुकुट और आभूषण धारण करवाए जाएंगे। 13 सितंबर को सिंजारा महोत्सव के तहत शाम 5 बजे विशेष लहरिया पोशाक और साफा धारण कर आरती

गहलोत सरकार के घोटाले में लिप्त मंत्री-अफसर आज जेल में हैं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने कोटा और पाली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया

—कार्यालय संवाददाता—

कोटा/पाली, 8 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोटा और पाली में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। उन्होंने निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का आह्वान करते हुए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने का आह्वान किया।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए जल जीवन मिशन घोटाले, भ्रष्टाचार, पेपर लीक और तुष्टिकरण पर चुनाव सभा में सवाल खड़े किए।**



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोटा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में भव्य रोड शो किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कोटा के कैथूनपोल चौराहे पर चुनावी सभा को कैथूनपोल चौराहे पर चुनावी सभा को संबोधित करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुए जल जीवन मिशन घोटाले, भ्रष्टाचार, पेपरलीक और प्रदेश में तुष्टिकरण को लेकर पूर्व सीएम अशोक गहलोत पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत जब मुख्यमंत्री थे, तब उनकी सरकार भ्रष्टाचार में आंकट में डूबी रही, परंतु गहलोत ने आंखें मूंदे रखीं। कांग्रेस के घोटालों में लिप्त मंत्री और अधिकारी

आज जेल में हैं।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि कांग्रेस के लोगों की मैथमेटिक्स कमजोर है तो मेरे पास आ जाओ। आपका ट्युशन भी लगवा दूंगा। अभी तक कोट ढाई साल हुआ है, अभी भी ढाई साल बाकी है। यह आंकड़ा अभी लाखों में पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शाम 4 बजे पाली से कोटा एयरपोर्ट पहुंचे। उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के घर पर उनसे मिलने गए।

पहली बार लग रहा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) समर्थक लोग, खास तौर पर आईआरजीसी, बातचीत की किसी भी संभावना को रोक रहे हैं। कुल मिलाकर, कट्टरपंथी इस बात के खिलाफ हैं कि ऐसा दिखाई दे कि ईरान अमेरिका को कोई रियायत दे रहा है। मुद्दे स्पष्ट हैं। अमेरिका होरमुज के मामले में पहले जैसी स्थिति चाहता है। इसका मतलब है कि यह संकरा जलडमरूमध्य फिर से एक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग बने और उस पर ईरान का नियंत्रण न रहे।

अमेरिका ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी रियायत चाहता है और चाहता है कि इसे दोबारा शुरू न किया जाए। और अंत में, ईरान प्रतिबंधों में तत्काल राहत और अरबों डॉलर की फ्रीज की गई रकम को वापस करने की मांग कर रहा था। इन मुद्दों में से कई पर अमेरिका जुन में हुए समझौते में काफी हद तक सहमत हो गया था, लेकिन ईरान ने हमले करके और जानबूझकर समझौते का उल्लंघन करके उस समझौते को खत्म हो जाने दिया।

इसलिए कोई हैरानी नहीं कि डॉनल्ड ट्रंप जुन के समझौते को खारिज कर रहे हैं और कर रहे हैं कि अब वह समझौता अस्तित्व में नहीं है। अमेरिका अब धैर्य के साथ इंतजार करने की रणनीति अपना रहा है और देख रहा है कि ईरान इस लगातार बढ़ते दबाव को कितने समय तक झेल सकता है, जो उसकी अर्थव्यवस्था का दम घोट रहा है और आम लोगों को लगातार बढ़ती और असहनीय होती जा रही मुसीबतों में डाल रहा है।

मुख्यमंत्री आज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) स्वागत करने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए स्थानीय स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। पहले चरण के मतदान के बीच होने वाला मुख्यमंत्री का यह रोड शो भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जयपुर के पुराने शहर में रोड शो के जरिए पार्टी अंतिम दौर में चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने का प्रयास करेगी।

एयरपोर्ट पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हिरा लाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, कल्पना देवी, शहर भाजपा अध्यक्ष राकेश जैन, पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री स्वागत किया।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पाली में सूरजपोल बाजार से सोमनाथ मंदिर, सर्राफा बाजार, फतेहपुरिया बाजार, पानी दरवाजा होते हुए, सिंधी कॉलोनी तक रोड शो निकाला। मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले

भाजपा ने सूरजपोल चौराहे से लेकर पूरे बाजार व सिंधी कॉलोनी को भाजपा के झंडों से सजाया। सुबह 10 बजे से 65 वाडों में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ भाजपा के झंडे लहराते सूरजपोल चौराहे पर एकत्रित हुए। दोपहर करीब 1 बजे मुख्यमंत्री का काफिला सूरजपोल पहुंचा, जहां मुख्यमंत्री सीधे रथ पर चढ़े, उनके साथ सांसद पीपी चौधरी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख भी थे।

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब में नशा मुक्ति अभियान चलायेगी -भाजपा

राज्य की सभी 117 सीटों से गुजरने वाली यात्रा की शुरुआत नितिन नबीन 18 सितम्बर को करेंगे

■ **दो सप्ताह चलने वाली यात्रा में भाजपा के कई बड़े नेता शामिल होंगे। समापन समारोह में गृह मंत्री अमित शाह के आने की संभावना बताई जा रही है।**

जनता के सामने रखेगी।

पार्टी लोगों से वादा करेगी कि अगर उसे इस बार सत्ता मिलती है तो नशे की समस्या को खत्म करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे। यात्रा के दौरान नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।

करीब दो सप्ताह चलने वाली इस

सत्ताइस साल पहले रिटायर जिला जज को पेंशन परिलाभ देने के आदेश

जयपुर, 8 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 27 साल पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से रिटायर याचिकाकर्ता को दो सप्ताह में पेंशन सहित, अन्य परिलाभ ब्याज सहित अदा करने को कहा है। जस्टिस संजीव प्रकाश

■ **राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने दो सप्ताह में ब्याज सहित भुगतान के निर्देश दिए।**

शर्मा और जस्टिस चन्द्र शेखर शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मातादीन गर्ग की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यदि किसी दस्तावेज पर याचिकाकर्ता के हस्ताक्षर जरूरी हैं तो उसकी उम्र को ध्यान में रखते हुए रजिस्ट्री अधिकारी को उनके निवास पर भेजकर हस्ताक्षर कराए जायें। अदालत ने कहा कि यदि तय अवधि में बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है तो याचिकाकर्ता को 12 फीसदी ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा और इस अतिरिक्त राशि की वसूली संबंधित अधिकारी से की जाएगी।

याचिका में अधिवक्ता सोगत रॉय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता मार्च, 1999 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से रिटायर हुआ था। रिटायर होने के दो साल तक सरकारी भवन खाली नहीं करने पर संपदा निदेशक से हाईकोर्ट प्रशासन को पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि उसकी ग्रेजुएटी में से 57 हजार 454 रुपए काटकर शेष राशि जारी कर दी जाए। इसके बावजूद शेष बकाया राशि और पेंशन नहीं दी गई। रने को कहा है।

ब्रिक्स देशों के साथ रुस का 90 प्रतिशत व्यापार डॉलर में नहीं होता

रुस ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ब्रिक्स देशों की राष्ट्रीय मुद्रा का उपयोग हो रहा है

■ **क्रैमलिन प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ बनाया गया समूह नहीं है, बल्कि यह अपने राष्ट्रीय हितों को मिलकर साधने का मंच बनकर उभरा है।**

नई दिल्ली, 08 सितंबर। रुस का कहना है कि ब्रिक्स देशों के साथ उसका 90 प्रतिशत व्यापार राष्ट्रीय मुद्राओं में हो रहा है। इसका प्रमुख कारण अमेरिका की ओर से रुस के लिए डॉलर आधारित वित्तीय प्रणाली तक पहुंच को प्रतिबंधित करना है। रुस अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के तौर पर डॉलर के प्रयोग के विरोध में नहीं है। असल में अमेरिका की नीतियां ही डॉलर को फायदेमंद बनाने से रोक रही हैं। इसी के चलते रुस को अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं का अधिक उपयोग करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

स्मृतनिक इंडिया की ओर से नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेड सेंटर में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित प्रकार वार्ता में क्रैमलिन प्रवक्ता दिमित्री

पेस्कोव ने उक्त बातें कहीं।

पत्रकार वार्ता आगामी ब्रिक्स शिखर वार्ता और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के संबंध में थी। पेस्कोव ने कहा कि ब्रिक्स किसी के खिलाफ बनाया गया समूह नहीं है, बल्कि यह अपने राष्ट्रीय हितों को मिलकर साधने का मंच बनकर उभरा है। इसका उद्देश्य पश्चिम के साथ टकराव नहीं है। वहीं, डॉलर से जुड़े प्रश्न के उत्तर में पेस्कोव ने कहा कि अगर वे हमें अपना पैसा (डॉलर) इस्तेमाल नहीं करने देंगे, तो हम अपना पैसा (राष्ट्रीय

मुद्रा) इस्तेमाल करेंगे। हम किसी भी प्रकार की डॉलर-विरोधी नीति का समर्थन नहीं करना चाहते। हम बस वही कर रहे हैं, जो हमारे राष्ट्रीय हितों के लिए सबसे उपयुक्त है।

प्रवक्ता ने कहा कि ब्रिक्स की विचारधारा में बहुध्रुवीय विश्व की अवधारणा प्रमुखता से शामिल है। हालांकि उन्होंने अमेरिका का नाम लिए बिना कहा कि कुछ शक्तियां एक ध्रुवीय विश्व को फिर से स्थापित करने का प्रयास कर रही हैं। इसके लिए खतरनाक तरीके भी अपनाए जा रहे हैं। वहीं, वैश्विक बहुमत बहुध्रुवीय विश्व के पक्ष में है और भारत इस दिशा में अहम भूमिका निभा रहा है।

प्रधानमंत्री की मुंबई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) शामिल हो रहे हैं, इसलिए कार्यक्रम स्थल पर जबरदस्त पुलिस व्यवस्था की गयी है। इसी जगह पर सिक्योरिटी चेक के दौरान दोनों युवक संदिग्धवस्था मिले। सुरक्षा एजेंसियों को उन पर शक हुआ और उन्होंने तुरंत दोनों को हिरासत

गहलोत, आशा लगाए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में ले लिया। उनमें से रोहन पारेख ने खुद को पीएमओ का अफसर बताया और परिचय पत्र दिखाया। लेकिन जांच के दौरान रोहन का परिचय पत्र बोगस पाया गया, जबकि उसके साथ के व्यक्ति के पास पिस्तौल मिला। इसलिए दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

महेश्वरी स्कूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) प्रबंधन का कहना है कि वे अपने स्तर पर भी मामले की जांच कर रहे हैं और दोषी छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मुकुल वासनिक और अन्य नेता उन्हें फिर से राजनीतिक रूप से स्थापित करने में मदद करेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

इसके बजाय, प्रियंका गांधी ने पंजाब में के सी वेणुगोपाल, भूपेश बघेल, रंधावा और अन्य लोगों के बीच बने मजबूत गठजोड़ को सफलतापूर्वक तोड़ दिया है, क्योंकि ये लोग न केवल एक-दूसरे की मदद करते थे, बल्कि उनके कुछ कमर्शियल हित भी जुड़े हुए थे।

पंजाब के नेता बड़े दांव लगाने वाले खिलाड़ी हैं और बड़े पैमाने पर पैसों के खेल में शामिल रहते हैं।

सचिन पायलट के लिए यह एक महत्वपूर्ण और हाई-प्रोफाइल जिम्मेदारी है, जिसका असर राजस्थान में उनके भविष्य पर भी पड़ेगा।

पंजाब में जीत उनके राजनीतिक करियर के लिए चमत्कारिक साबित हो सकती है !!

“नाराज़ फूफा जी” तो हमेशा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) की परियोजना की कल्पना 2004 में की गई थी, लेकिन, 2014 में भाजपा के सत्ता में आने तक, कुछ भी आगे नहीं बढ़ा।

किसी का नाम लिए बिना, प्रधानमंत्री ने फिर उन लोगों पर तंज किया, जो इस परियोजना की उपयोगिता पर सवाल उठा सकते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज़ में कहा, एक नाराज़ फूफा जी चिल्ला रहे होंगे कि “ट्रक ड्राइवर क्या करेंगे?” अब फूफा जी के पास भी काम है।”

उन्होंने कहा कि यह माल ढुलाई गलियारा उन जाहंगीरों तक रेल संपर्क पहुंचा रहा है, जहां आजादी के बाद भी रेल संपर्क नहीं था। उन्होंने कहा कि यह परियोजना आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए भारतीय आपूर्ति श्रृंखला तैयार करने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है। पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर एक और कटाख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी

ने कहा, 2014 के बाद भारत ने 50 हजार आधुनिक रेलवे कोच बनाए, जबकि पिछली सरकार 10 साल में 50 हजार शौचालय भी नहीं बना सकी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अब मैनुफैक्चरिंग के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, “चिप से लेकर शिप (जहाज) तक”, जिसमें कलपुर्जों से लेकर तैयार उत्पादों तक का निर्माण देश में ही किया जा रहा है।

“नाराज़ फूफा जी” प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आलोचकों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले व्यंग्यात्मक नामों की बढ़ती सूची में सबसे नया है। उन्होंने पक्षी बरक पिछले सप्ताह रेल संपर्क कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी समारोह में इस शब्द का इस्तेमाल किया था। उस कार्यक्रम में उन्होंने युवा मतदाताओं तक पहुंच बनाने के लिए अपने भाषण में जेन जी की भाषा और शब्दों का भी इस्तेमाल किया था।

उस कार्यक्रम में उन्होंने उन लोगों

पर निशाना साधते हुए यह उदाहरण दिया था, जिन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की उम्मीद से बेहतर, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि “नकारात्मक सोच वाले लोगों” ने सरकार को पहलों का विरोध करना एक तरह का खेल बना लिया है।

उन्होंने कहा था, “कैपस के बाहर आपको दो तरह के लोग मिलेंगे: एक वे, जो समाज की शक्ति को राष्ट्र की शक्ति में बदलने के लिए सकारात्मक रूप से काम करते हैं और दूसरे वे, जो किसी भी काम की शुरुआत होते ही “नाराज़ फूफा” बन जाते हैं।”

इस टिप्पणी से नाराज़ विपक्षी नेताओं ने इसका विरोध किया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे हर साल सरकार की कमियों से ध्यान हटाने के लिए एक नया विशेषण लेकर आते हैं।

(प्रथम पृष्ठ का शेष) जैसे मुद्दों को शामिल किए जाने की संभावना है। लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बाधाओं को कम करने के लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और चेन्नई-व्लादिवास्तोक समुद्री मार्ग जैसी संपर्क परियोजनाओं की भी समीक्षा की जा सकती है, ताकि माल ढुलाई से जुड़ी बाधाओं को कम किया जा सके।

यह बातचीत 31 अगस्त 2026 को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में हुए एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं की हालिया मुलाकात पर आधारित है। उस दौरान मोदी और पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा की थी। मोदी ने “लगातार चलने वाले युद्धों से युद्ध की समाप्ति की ओर” बढ़ने की जरूरत पर जोर दिया था और शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के समर्थन को दोहराया था। दोनों नेताओं ने ऊर्जा आपूर्ति, एस-400 की डिलीवरी सहित, रक्षा संबंधों और व्यापक सहयोग की भी समीक्षा की थी। मोदी ने पुतिन को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में

शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में 11 सदस्य देशों वाले विस्तारित समूह के नेता और साझेदार देश शामिल होंगे। इस 11 सदस्यीय समूह में ब्राजील, चीन, मिक्स, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रुस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और यूएई शामिल हैं। पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिन्पिंग, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा, मिक्स के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियंतो, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियोन और इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद समेत, कई अन्य हैं। इस दौरान मोदी और पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष में ई या उनके आने की उम्मीद है। शी जिन्पिंग 2019 के बाद पहली बार भारत आएंगे। भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह शिखर सम्मेलन “लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण” विषय पर आधारित है और भारत-रूस संबंधों को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक अवसर प्रदान करता है।

(प्रथम पृष्ठ का शेष) पास होना और बहुत अधिक आबादी, इसे बड़े भूकंप के लिहाज से खास तौर पर संवेदनशील बनाती है।

सत्य निकेतन की इमारत गिरने की घटना ने उन कई कमजोरियों को सामने ला दिया है, जो भूकंप को बड़े पैमाने की शहरी आपदा का रूप दे सकती हैं।

अधिकारी अब सार्वजनिक उपयोग वाली इमारतों और पीजी आवासों की संरचनात्मक (स्ट्रक्चरल) जाँच तथा सुरक्षा के नए उपायों पर विचार कर रहे हैं।

दिल्ली की इमारतों की जटिलता एवं बहुत बड़ी संख्या को देखते हुए यह चिंता और भी गंभीर हो जाती है।

“नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी” के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किये गए एक शोध-पत्र में, जो

2026 में एनवायरनमेंटल अर्थ साइंसेज में प्रकाशित हुआ, अनुमान लगाया गया था कि दिल्ली-एनसीटी में करीब 89 लाख इमारतें हो सकती हैं। अध्ययन में पाया गया कि इस इलाके में मुख्य फॉल्ट्स के पास मध्यम तीव्रता के भूकंप की स्थिति में करीब 3.8 प्रतिशत इमारतें असुरक्षित सिद्ध हो सकती हैं।

रजत पसरीचा, कपिल मोहन और ओ पी मिश्रा द्वारा किए गए इस अध्ययन में 6.0 तीव्रता के भूकंप की स्थिति में संभावित नुकसान का विश्लेषण रूप से आकलन किया गया। इसमें आबादी का अधिक घनत्व, पुरानी इमारतें और स्थानीय भूगर्भीय स्थिति को जटिलता को बड़े जोखिम वाले प्रमुख कारण बताया गया है।

इसका मतलब यह नहीं है कि दिल्ली की 3.8 प्रतिशत इमारतें जरूरी तौर पर गिर जाएंगी। भूकंप से होने वाला नुकसान

इस बात पर निर्भर करता है कि भूकंप कहां आता है, उसकी गहराई और उसकी प्रकृति क्या है, स्थानीय मिट्टी की स्थिति कैसी है और अलग-अलग इमारतों की गुणवत्ता तथा डिज़ाइन कैसी है। लेकिन अध्ययन के निष्कर्ष दिल्ली के जोखिम के स्तर को उभार कर रहे हैं।

इसलिए दिल्ली के सामने चुनौती अगले भूकंप की भविष्यवाणी करना नहीं है। चुनौती यह है कि भूकंप आने से पहले शहर को उसके लिए तैयार किया जाए।

आतंकी कैप आयोजित करने के आरोपी, सात विदेशी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट

नई दिल्ली, 08 सितंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने और उग्रवाद से संबंधित कैप आयोजित करने जैसे गंभीर आरोपों में शामिल एक अमेरिकन सहित, सात विदेशी नागरिकों के मामले में मंगलवार को चार्जशीट दाखिल की है।

एनआईए ने आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 यूएपीए की धारा 18 लगाई थी। खास बात है कि चार्जशीट में सभी आरोपियों के खिलाफ यूएपीए की धारा हटाई गई है।

चार्जशीट में केवल इमिग्रेशन एंड फरिनर्स एक्ट, 2025 की धारा 21 और 23 लिखी है। धाराओं में ये दोनों धाराएं फरिनर्स रीजलर रजिस्ट्रेशन ऑफिस के स्तर पर समझौता योग्य (कंपाउंडेबल) अपराध की श्रेणी में आती हैं।